www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शुक्रवार
10 जुलाई 2026
वर्षः 49
अंकः 73 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
ज
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में 30 हजार भारतीयों के बीच पहुंचे मोदी

- भारतीयों से बोले-आपका शो हाउसफुल और ब्लॉकबस्टर

मेलबर्न (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय को संबोधित किया है। मेलबर्न में हुए इस कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज भी उनके साथ पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि वह मेलबर्न में भारतीय समुदाय के बीच आकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। भारतीय समुदाय ने जिस जोश और उत्साह का

परिचय दिया है, वह वाकई बेमिसाल है। उन्होंने भारतीय समुदाय से कहा कि आप भारत-ऑस्ट्रेलिया दोस्ती के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक हैं। मेलबर्न में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं उस जमीन के पारंपरिक मालिकों को नमन करते हुए अपनी बात शुरू करना चाहता हूं, जहां हम मिल रहे हैं। यह कार्यक्रम हाउसफुल है। इससे पहले मैं आप सभी से सिडनी में दो बार मिल चुका हूं। मैं मेलबर्न के लोगों से मिलने का भी इंतजार कर रहा था। इसलिए इस बार मैंने सोचा कि मैं मेलबर्न के लोगों के साथ फ्लैट व्हाइट कॉफी पिऊंगा।

भारतीय समुदाय में कमाल की एनर्जी:अल्बनीज

पीएम मोदी को सुनने के लिए पहुंचे करीब 30 हजार लोगों को संबोधित करते हुए अल्बनीज ने कहा कि उन्हें भारतीय समुदाय के बीच पहुंचकर खुशी हो रही है, जिसका देश की तरक्की में एक योगदान रहा है। अल्बानीज ने कहा, यहां जो एनर्जी महसूस हो रही है, वही ऑस्ट्रेलिया-भारत की साझेदारी को परिभाषित करती है। यह उत्साह और गतिशीलता ही दोनों देशों और लोगों के बीच सकारात्मकता और उम्मीदों को आगे बढ़ाती है। पीएम मोदी बुधवार को तीन दिन के दौरे पर ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं। गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया और भारत ने कई अहम समझौतों का ऐलान किया है। दोनों देशों ने अपने रणनीतिक, आर्थिक और रक्षा संबंधों को बेहतर करने पर जोर दिया गहै हैं। रक्षा सहयोग के अलावा भारत ने ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम की आपूर्ति के लिए समझौता किया है।

मैं सलमान, मैं राशिद और मैं असलम...

- तौबा-तौबा करते हुए पुलिस थाने पहुंचे 47 मुल्जिम

सहारनपुर (एजेंसी)। सहारनपुर के थाना चिलकाना क्षेत्र में गोकशी के मामलों में पहले संलिप्त रहे 47 आरोपी स्वेच्छा से थाने पहुंचे और भविष्य में अपराध की दुनिया से पूरी तरह दूरी बनाने का संकल्प लिया। इनमें ऐसे आरोपी भी शामिल रहे जिन पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई हो चुकी है। थाने पहुंचे सभी लोगों के हाथों में संदेश लिखी तख्तियां थीं। इन पर कानून का सम्मान करने, अपराध से दूर रहने और ईमानदारी से जीवनयापन करने की बातें लिखी गई थीं। गौकशी मामले मे पुलिस की सख्ती होते देख 47 लोग थाने पहुंचे सभी लोगों के हाथों में संदेश लिखी तख्तियां थीं। इन पर कानून का सम्मान करने, अपराध से दूर रहने और ईमानदारी

से जीवनयापन करने की बातें लिखी गई थीं। थाना परिसर में सभी ने पुलिस अधिकारियों के सामने शपथ लेते हुए कहा कि अब वे गोकशी या किसी भी गैरकानूनी गतिविधि में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आगे से मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करेंगे और समाज के जिम्मेदार नागरिक के रूप में जीवन बिताएंगे।

कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी

इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने आरोपियों को स्पष्ट रूप से आगाह किया कि यदि भविष्य में कोई भी व्यक्ति दोबारा गोकशी या किसी अन्य अपराध में शामिल पाया गया तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने यह भी कहा कि अपराध से दूरी बनाने का यह संकल्प केवल औपचारिकता नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे व्यवहार में भी जीवन मे उतारना भी होगा।

झमाझम बारिश से जीना हुआ मुहाल

- दिल्ली से एमपी,महाराष्ट्र तक भारी बारिश ने ढाया कहर
- ढहीं इमारतें,उत्तराखंड से गुजरात तक आफत की बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली, मुंबई, गुजरात, महाराष्ट्र, केरल और हिमाचल प्रदेश समेत देश के कई राज्यों में भारी बारिश का कहर जारी है। भारी बारिश के कारण जगह-जगह जलभराव, बाढ़ भूस्खलन और यातायात बाधित होने की घटनाएं सामने आ रही हैं। मंगलवार से दिल्ली-एनसीआर में बारिश का सिलसिला जारी है। इस बीच मौसम विभाग ने 17 राज्यों में भीषण बारिश के साथ आंधी और तूफान को लेकर अलर्ट जारी किया है। महाराष्ट्र के रायगढ़ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें 3 हजार एलपीजी सिलेंडर पातालगंगा नदी में बहते हुए दिखाए दे रहे हैं। यह वीडियो रायगढ़ में पातालगंगा एलपीजी बॉटलिंग प्लांट का है। अधिकारियों के अनुसार, प्लांट की दीवार गिर गई। इसके बाद बाढ़ का पानी सीधे प्लांट के अंदर घुस गया और इसके कारण हजारों सिलिंडर बहकर पातालगंगा नदी और खारपाड़ा क्रीक में चले गए। महाराष्ट्र के पिंपरी चिंचवड़ में कचरे का बड़ा ढेर गिरने से एक तीन मंजिला इमारत ढह गई, जिसमें 16 लोगों के फंसे होने

की आशंका जताई गई है। राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने और फंसे लोगों को निकालने में जुटे हैं। महाराष्ट्र में लगातार बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ गया है और कई स्थानों पर जलभराव तथा भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं।

केरल में 5 लोगों की मौत

केरल के वायनाड में सुरंग सड़क निर्माण स्थल पर हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या पांच हो गई है। एक शव बरामद किया गया है, चार लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। यह भूस्खलन 7 जुलाई को वायनाड और कोझिकोड जिलों को जोड़ने वाली अनाक्कोम्पोयिल-मेप्पडी सुरंग परियोजना स्थल के पास हुआ। लापता लोगों की तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है। वायनाड जिले में अनाक्कम्पोयिल-कल्लाडी-मेप्पाडी ट्विन टनल प्रोजेक्ट (जो अभी बन रहा है) के पास हुए भूस्खलन से क्षतिग्रस्त हुआ एक घर दिखाई दे रहा है। इस घटना के बाद लगातार तीसरे दिन भी बचाव कार्य जारी है। उत्तर प्रदेश में मानसूनी बारिश शुरू है। लगातार हो रही बारिश के बीच वज्रपात में बुधवार को देवरिया, पीलीभीत और इटावा में तीन किसानों की मौत हो गई, जबकि आगरा, बदायूं और मथुरा में मकान व दुकान ढहने से कई लोग घायल हो गए। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-16 में एक पांच मंजिला नवनिर्मित इमारत बुधवार शाम को गिर गई। इमारत के मलबे में दबने से मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। मौसम विभाग ने अगले तीन घंटे के लिए दिल्ली में मौसम को लेकर अलर्ट जारी किया है।

मध्य प्रदेश में झमाझम, पानी में बहा युवक

बीते बुधवार को मध्य प्रदेश के 27 जिलों में भारी बारिश हुई। सबसे ज्यादा दमोह में 1.75 इंच बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण नदियों के जलस्तर बढ़ने लगे हैं। इस बीच खरगोन में रूपारेल नदी के तेज बहाव में एक युवक बह गया। उत्तराखंड में भी भारी बारिश का कहर जारी है। पहाड़ से लेकर मैदान तक बुधवार को भारी बारिश हुई। उत्तरकाशी में नालूपानी और यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर लैंडस्लाइड हुआ। वहीं, टिहरी में बुधवार को एनएच-707ए पर दुकानों के पास लैंडस्लाइड में एक मकान गिर गया। एमपी के कई जिलों बारिश आफत बन गई है। सरकार और प्रशासन पूरी तरह लोगों की मदद के लिए ऐक्टिव है।

गुजरात के सूरत में कम से कम 13 लोगों की मौत

गुजरात के सूरत में भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बुधवार को कई जगहों पर घरों, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स और दुकानों में घुस गया। सूरत के निचले इलाकों से 3,400 से ज्यादा लोगों को बचाया गया और 3,800 से ज्यादा लोगों को दूसरी जगहों पर भेजा गया। बुधवार सुबह तक पिछले 24 घंटों में सूरत में आई बाढ़ में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में से अधिकतर की मौत डूबने से हुई। सबसे अधिक मौतें दिंडोली पुलिस थाना क्षेत्र से दर्ज की गईं, जहां 59 वर्षीय एक व्यक्ति सहित चार शव बरामद किए गए।

ममता बनर्जी को कलकत्ता हाईकोर्ट से मिल गई राहत

टीएमसी के फ्रीज बैंक अकाउंट से पैसे निकालने की मिल गई मंजूरी

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट से ममता बनर्जी के गुट को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने गुरुवार को टीएमसी के रोजाना खर्चों को संभालने के लिए पार्टी के फ्रीज किए गए 3 बैंक खातों से पैसे

निकालने के लिए अनुमति दे दी है। अदालत ने इसके लिए एक स्पेशल ऑफिसर नियुक्त किया है। 18 जून को बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने तीनों बैंक खातों को फ्रीज कर दिया था। आरोप लगा था कि ये तीनों खाते अपराध से मिली रकम रखने की जगह थे। अदालत ने कलकत्ता हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज सुब्रत तालुकदार को 30 सितंबर, 2026 तक ममता के नेतृत्व वाले गुट के रोजाना के खर्चों को चलाने के लिए स्पेशल ऑफीसर नियुक्त किया।

आंध्र प्रदेश में कोरोना से एक व्यक्ति की मौत

4 दिन इलाज चला,दोनों फेफड़े खराब हो गए थे

दो जिलों में 5 पॉजीटिव केस मिले, सरकार सतर्क

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कडप्पा में 46 साल के एक व्यक्ति की कोविड-19 से मौत हो गई। व्यक्ति को पिछले महीने 24 जून को वेल्लोर के सीएमसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच में उसे निमोनिया पाया गया। कोविड की आशंका पर 26 जून को टेस्ट किया गया, जिसमें रिपोर्ट पॉजिटिव आई। जांच में पता चला कि उसके दोनों फेफड़े गंभीर रूप से संक्रमित होकर निमोनिया की चपेट में आ गए थे। इलाज के दौरान 28 जून को उसकी मौत हो गई। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रवि बाबू ने बताया कि मृतक शराब पीता था। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, मृतक को सांस फूलने और खांसी की शिकायत के बाद अस्पताल लाया गया था। मृतक के संपर्क में आए लोगों की पहचान कर उनकी ट्रेसिंग भी की जा रही है।

भारत में लॉन्च हुई दुनिया की पहली बेसल इंसुलिन

- डायबिटीज मरीजों को हफ्ते में एक बार ही लगाना होगा इंजेक्शन, कीमत 2611 रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी)। डेनमार्क की दवा कंपनी नोवो नॉर्डिस्क ने बुधवार को भारत में इंसुलिन आइकोडेक लॉन्च की। कंपनी का दावा है कि यह दुनिया की पहली सप्ताह में एक बार दी जाने वाली बेसल इंसुलिन है, जो टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज के वयस्क मरीजों के लिए है। इसके आने से रोजाना लगने वाले 365 इंसुलिन इंजेक्शन घटकर साल में 52 रह जाएंगे।

पेन डिवाइस के जरिए सप्ताह में एक बार लगाया जाएगा

मुंबई के डायबिटीज विशेषज्ञ डॉ. राजीव कोविल ने कहा कि सबसे बड़ी खासियत इसकी प्रतिस्पर्धी कीमत है। उनके मुताबिक, यह मौजूदा दैनिक बेसल इंसुलिन के करीब है, जिससे यह तकनीक सिर्फ चुनिंदा लोगों तक सीमित नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि क्लिनिकल ट्रायल में इस दवा ने कई मामलों में दैनिक बेसल इंसुलिन के बराबर या उससे बेहतर ब्लड शुगर नियंत्रण दिखाया है। भारत में करीब 10.1 करोड़ लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं।

महाराष्ट्र में भी लागू होगा यूनिफॉर्म सिविल कोड

सीएम फड़नवीस ने बनाई सात सदस्यीय कमेटी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में भी अब यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लागू करने को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। राज्य की फड़नवीस सरकार ने इसको लेकर गुरुवार को 7 सदस्यों वाली एक कमेटी के गठन करने ऐलान किया है। कमेटी की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त जज रंजना देसाई करेंगी। विधानसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने बताया कि कमेटी के अन्य सदस्यों में हाई कोर्ट के पूर्व जज आर सी चव्हाण और एस जी मेहरे, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव डी के जैन, पूर्व एडवोकेट जनरल वीरेंद्र सराफ, संवैधानिक मामलों के जानकार रमेश पतंगे और शिक्षाविद सुवर्णा रावल

शामिल हैं। सीएम देवेंद्र फड़नवीस कहा कि समिति से छह महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की उम्मीद है।

फड़नवीस ने सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया

इससे पहले, फड़नवीस ने कानून को लागू करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया और कहा कि एक समान नागरिक संहिता की अवधारणा को संविधान में निहित राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों का समर्थन प्राप्त है। डॉ. भीमराव अंबेडकर के दृष्टिकोण का हवाला देते हुए उन्होंने तर्क दिया कि एक साझा नागरिक ढांचा विवाह, तलाक, विरासत और गोद लेने जैसे मामलों में समानता और एकरूपता के संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखेगा। इस घटनाक्रम पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन सावंत ने प्रतिक्रिया दी है।

2027 में नीट परीक्षा मात्र 6 दिन चलेगी

- कम्प्यूटर बेस्ड होगी,1000 से ज्यादा परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे

पेपर लीक विवाद के बाद एनटीए सक्रिय, बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2027 में कम से कम छह दिन चलेगी। यह पूरी तरह कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट मोड में कराई जाएगी। परीक्षा के लिए देश भर में 1 हजार से ज्यादा परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे।

नीट पेपर लीक विवाद के बाद यह बदलाव किए जा रहे हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी हर साल मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए नीट आयोजित करता है। अभी तक यह परीक्षा पेन-पेपर मोड में होती रही है। नीट यूजी में हर साल करीब 25 लाख कैंडीडेट्स हिस्सा लेते हैं।

एनटीए ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि परीक्षा की नई योजना अभी तैयार की जा रही है। इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा नीट की तरह सीबीएसई भी अलग-अलग दिनों में आयोजित होगी।

एग्जाम मोड में बदलाव की वजह पेपर लीक विवाद- नीट में यह बदलाव 2024 में पेपर लीक और अन्य गड़बड़ियों के विवाद के बाद सामने आया है। इसके बाद केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि नीट यूजी अब पेन-पेपर की बजाय पीपीपी मोड में कराई जाएगी। शिक्षा और स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच कई वर्षों से इस बदलाव पर चर्चा चल रही थी, लेकिन परीक्षा सुधारों की प्रक्रिया पेपर लीक विवाद के बाद तेज हुई। इसी परीक्षा के नतीजों के आधार पर डेंटिस्ट्री, आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध चिकित्सा के स्नातक पाठ्यक्रमों में भी दाखिला दिया जाता है।

मुख्यमंत्री ने की नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर राज्य में रेल अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण, रेल संपर्क के विस्तार तथा राज्य की महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित विषयों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों, धार्मिक एवं पर्यटन महत्व तथा जनहित की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रस्ताव केंद्रीय रेल मंत्री के समक्ष रखे। मुख्यमंत्री ने हरिद्वार–देहरादून रेल लाइन के दोहरीकरण के अंतर्गत रायवाला से देहरादून तक लंबित कार्य को शीघ्र पूर्ण करने तथा हरिद्वार, हर्रावाला, देहरादून, खटीमा, लक्सर, रुड़की, टनकपुर एवं बनबसा रेलवे स्टेशनों के सौन्दर्यीकरण एवं विस्तारीकरण का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री के अनुरोध पर केंद्रीय रेल मंत्री ने उक्त प्रस्तावों पर सहमति प्रदान की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक दृष्टि से देश के प्रमुख राज्यों में से एक है। चारधाम यात्रा, हरिद्वार एवं ऋषिकेश के धार्मिक स्थलों, योग एवं आध्यात्मिक पर्यटन तथा आगामी कुम्भ-2027 के आयोजन के दृष्टिगत प्रतिवर्ष देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु एवं पर्यटक राज्य में पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती यात्री संख्या एवं पर्यटन गतिविधियों को देखते हुए राज्य में आधुनिक, सुदृढ़ एवं सुविधाजनक रेल नेटवर्क का विस्तार समय की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय रेल मंत्री को अवगत कराया कि महाराष्ट्र, विशेषकर मुम्बई में बड़ी संख्या में उत्तराखण्ड मूल के नागरिक निवास करते हैं, जिनका अपने गृह राज्य से निरंतर आवागमन बना रहता है। इसके साथ ही चारधाम, बाबा नीम करौली धाम (श्री कैंची धाम), जागेश्वर धाम सहित राज्य के अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों में वर्षभर देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालुओं का आवागमन होता है। वर्तमान में मुम्बई से हरिद्वार एवं रामनगर के लिए संचालित रेल सेवाओं की संख्या एवं आवृत्ति यात्रियों की आवश्यकता के अनुरूप नहीं है, जिससे यात्रा सीजन, चारधाम यात्रा, अवकाश एवं त्योहारों के दौरान यात्रियों को आरक्षण में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने मुम्बई-देहरादून के मध्य वन्दे भारत अथवा सुपरफास्ट एक्सप्रेस सेवा प्रारम्भ करने तथा मुम्बई-हरिद्वार एवं मुम्बई-रामनगर रेल सेवाओं की आवृत्ति बढ़ाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने मुम्बई-देहरादून के मध्य वन्दे भारत अथवा सुपरफास्ट एक्सप्रेस सेवा प्रारम्भ करने तथा मुम्बई-हरिद्वार एवं मुम्बई-रामनगर रेल सेवाओं की आवृत्ति बढ़ाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इन रेल सेवाओं के विस्तार से यात्रियों, प्रवासी उत्तराखण्डवासियों, श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधा प्राप्त होगी तथा राज्य में पर्यटन, व्यापार एवं निवेश को भी नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने देहरादून-कोटा रेल सेवा को सूरत-वड़ोदरा-मुम्बई तक विस्तारित करने तथा रामनगर-मुम्बई एवं हरिद्वार-मुम्बई रेल सेवाओं को नियमित अथवा सप्ताह में कम से कम तीन दिन संचालित किए जाने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने टनकपुर से संचालित त्रिवेणी एक्सप्रेस, मथुरा एक्सप्रेस एवं दौराई एक्सप्रेस के यात्रा मार्ग में पड़ने वाले बनबसा रेलवे स्टेशन पर अल्प समय के ठहराव की व्यवस्था किए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि बनबसा भारत-नेपाल सीमा से लगा हुआ व्यापारिक एवं सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र है तथा यहां भारतीय सेना की राजपूत रेजिमेंट की यूनिट भी स्थापित है। बनबसा स्टेशन पर ठहराव से स्थानीय नागरिकों, यात्रियों एवं सेना को बेहतर परिवहन सुविधा प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री के अनुरोध पर केंद्रीय रेल मंत्री ने बनबसा स्टेशन पर उक्त रेल सेवाओं के अल्प ठहराव को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा प्रस्तुत विभिन्न प्रस्तावों पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया।

पहचान छिपाकर नाबालिग को दिया शादी का झांसा

घनसाली (टिहरी)। थाना क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय के नाबालिग ने सोशल मीडिया पर हिंदू नाम से नाबालिग लड़की से दोस्ती कर उसके शारीरिक शोषण का मामला सामने आया है। घटना पर हिंदूवादी संगठनों और स्थानीय लोगों ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

घटना के बाद बाजार में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए पुलिस तैनात की गई है। व्यापारियों ने बैठक कर घटना पर कड़ी नाराजगी जताई है। आरोप है कि नाबालिग लड़के ने लड़की से सोशल मीडिया से बातचीत की। उससे मिलने चंडीगढ़ से घनसाली पहुंचा। इस दौरान लड़की को आरोपी के दूसरे धर्म का होने का पता चला जिससे दोनों के बीच विवाद हो गया। स्थानीय लोगों को घटना का पता चलने पर आसपास के करीब 20–25 लोग मौके पर पहुंचे। लड़के को लड़की के कमरे में देखकर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले गई। उसके बाद नाबालिग की मां की आरोपी के खिलाफ तहरीर दी है। आरोपी नाबालिग के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज किया गया है।

एक नजर

कांवड़ यात्रा मार्ग से अतिक्रमण हटाने के लिए चलेगा अभियान

ऋषिकेश। कांवड़ मेला की तैयारियों के लिए चारधाम यात्रा ट्रांजिट कैंप पुलिस एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों की समन्वय बैठक आयोजित की गई। इस दौरान इस दौरान संबंधित विभागों को 25 जुलाई तक सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कांवड़ यात्रा मार्ग पर अतिक्रमण हटाने के लिए संयुक्त अभियान चलाए जाने का निर्णय लिया गया। बृहस्पतिवार को ट्रांजिट कैंप में आयोजित बैठक में कांवड़ यात्रा मार्गों पर यातायात संचालन, डायवर्जन प्लान, पार्किंग व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, संवेदनशील स्थलों की सुरक्षा, आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता और विभागों के बीच समन्वय पर विस्तृत चर्चा की गई। एसपी ट्रैफिक जितेंद्र चौधरी व एसपी देहात जया बलूनी ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्थाएं की गई हैं। खांडगांव व आईडीपीएल में कुछ नई पार्किंग बनाई जाएंगी। वहीं हर बार विस्थापित क्षेत्र में बनाई जाने वाली पार्किंग इस बार बंद रहेगी।

दून अस्पताल में युवती से छेड़छाड़: भीड़ ने आरोपी को धुना

देहरादून। दून अस्पताल में उपचार के लिए आई एक युवती के साथ छेड़छाड़ की घटना सामने आई है। घटना में आरोपी कोई और नहीं बल्कि अस्पताल का सफाईकर्मी ही है। युवती के शोर मचाने पर सुरक्षाकर्मियों और वहां मौजूद लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया। इसके बाद भीड़ ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। घटना के बाद आरोपी सफाईकर्मी को अस्पताल प्रबंधन ने निलंबित कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, बृहस्पतिवार को दोपहर करीब दो बजे देहरादून निवासी एक युवती उपचार के लिए दून अस्पताल आई थी। चिकित्सक को दिखाने के बाद वह दवा काउंटर पर आई। अन्य मरीजों के साथ वह दवाएं लेने के लिए कतार में खड़ी हो गई। तभी अस्पताल का एक सफाईकर्मी भी उसके पीछे आकर खड़ा हो गया। इस दौरान उसने छेड़छाड़ और अश्लीलता शुरू कर दी। युवती जब असहज हुई तो उसने शोर मचाना शुरू किया। इसके बाद सुरक्षाकर्मी और अन्य लोग मौके पर पहुंच गए।

पुलिस ने नदी—नालों के किनारे रहने वालों को किया अलर्ट

देहरादून। राजधानी देहरादून में लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए दून पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रमेंद्र सिंह डोबाल के निर्देश पर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमें संवेदनशील स्थानों पर लगातार गश्त कर रही हैं और हालात पर नजर बनाए हुए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बारिश की स्थिति की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

रात से ही पुलिस टीमें नदी–नालों के किनारे और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को लाउड हेलर के माध्यम से सतर्क कर रही हैं। लगातार बढ़ रहे जलस्तर को देखते हुए लोगों से नदी–नालों के पास न जाने की अपील की जा रही है। पुलिस नदी किनारे रहने वाले लोगों को भी सुरक्षित स्थानों पर भेज रही है, ताकि किसी प्रकार की जनहानि न हो।

चुनावी व संगठनात्मक रणनीति का मंत्र देंगे केसी वेणुगोपाल

देहरादून। अखिल भारतीय कांग्रेस के महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल आज बृहस्पतिवार को दो दिवसीय दौरे पर देहरादून पहुंचे हैं। इस दौरान वह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और अनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर चुनावी व संगठनात्मक रणनीति का मंत्र देंगे। पहली बार उत्तराखंड आ रहे राष्ट्रीय महासचिव वेणुगोपाल के दौरे से पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने उनके दौरे के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। उनका यह दौरा उत्तराखंड में कांग्रेस की चुनावी तैयारियों व संगठनात्मक रणनीति के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नौ व दस जुलाई तक राष्ट्रीय महासचिव प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के साथ ही अनुषांगिक संगठनों के अध्यक्षों के साथ लगातार बैठक करेंगे।

इसके साथ ही जिला और ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों से भी बातचीत करेंगे। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य पार्टी संगठन को मजबूत करना है। आगामी विधानसभा चुनाव के लिए एक ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इसके अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में पेपर लीक प्रकरण को लेकर राष्ट्रव्यापी अभियान छात्रों की गूंज, संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी लेंगे।

ग्रामीण सड़कों को युद्ध स्तर पर खोलें और नदियों के जल स्तर की लगातार निगरानी करें

24 घंटे अलर्ट मोड पर रहें अधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास ने ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क बहाल करने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि वर्षाकाल के दौरान सर्वाधिक प्रभावित ग्रामीण सड़कें होती हैं। इसलिए ग्रामीण सड़कों को युद्धस्तर पर खोलने की कार्रवाई की जाए, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को आवश्यक सेवाओं, स्वास्थ्य सुविधाओं एवं राहत सामग्री की उपलब्धता प्रभावित न हो।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने गुरुवार को राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र से प्रदेशभर में वर्षा से उत्पन्न स्थिति, मौसम पूर्वानुमान, सड़क संपर्क, नदियों के जलस्तर तथा राहत एवं बचाव कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों के लिए जारी चेतावनियों को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए सभी विभाग 24 घंटे अलर्ट मोड पर कार्य करें तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि 10 जुलाई के लिए मौसम विभाग द्वारा नैनीताल, ऊधमसिंहनगर एवं चम्पावत जनपदों में रेड अलर्ट, जबकि पौड़ी गढ़वाल, देहरादून एवं बागेश्वर जनपदों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके मद्देनजर सभी जिलाधिकारियों, पुलिस, एसडीआरएफ, लोक निर्माण विभाग, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य तथा अन्य संबंधित विभागों को पूर्ण सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नदियों, बरसाती नालों, गाड़-गदेरों तथा भूस्खलन संभावित क्षेत्रों के समीप निवास कर रहे लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। आवश्यकता पड़ने पर ऐसे परिवारों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए। साथ ही जिन क्षेत्रों में निर्माण कार्य चल रहे हैं, वहां कार्यरत श्रमिकों एवं अन्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए आवश्यक होने पर कार्य अस्थायी रूप से रोकने तथा उन्हें सुरक्षित स्थानों पर भेजने के निर्देश भी दिए। बैठक में अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी अधिकारी प्रशासन प्रकाश चंद्र, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी अधिकारी क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिनेश कुमार पुनेठा आदि उपस्थित रहे।

प्रदेशवासियों से सतर्क रहने की अपील

सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने प्रदेशवासियों से मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों का गंभीरता से पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अनावश्यक यात्रा से बचें, विशेषकर पर्वतीय एवं भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में जाने से परहेज करें। नदी-नालों, गाड़-गदेरों तथा जल भराव वाले क्षेत्रों के समीप न जाएं और खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर ही रहें। किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में तत्काल स्थानीय प्रशासन अथवा आपातकालीन सेवाओं से संपर्क करें तथा केवल शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

कद्दूखाल में खोदाई से दरकी पहाड़ी, सात दुकानें प्रशासन ने कराई बंद

नई टिहरी। त्यूणी–मलेथा राष्ट्रीय राजमार्ग पर कद्दूखाल में पहाड़ी दरकने के बाद सात खोखे (टिनशेड) खतरे की जद में आ गए हैं। संभावित खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने खोखा संचालकों को वहां कामकाज नहीं करने के निर्देश दिए है। सभी प्रतिष्ठानों पर लाल क्रॉस का निशान लगाकर नोटिस चस्पा किए गए है। राजस्व विभाग ने जांच में पाया कि सड़क किनारे बिना अनुमति खोदाई की जा रही थी जिससे पहाड़ी कमजोर होने से भूस्खलन हुआ। ऐसे में अब निर्माण कार्यों की निगरानी पर भी सवाल उठने लगे हैं।

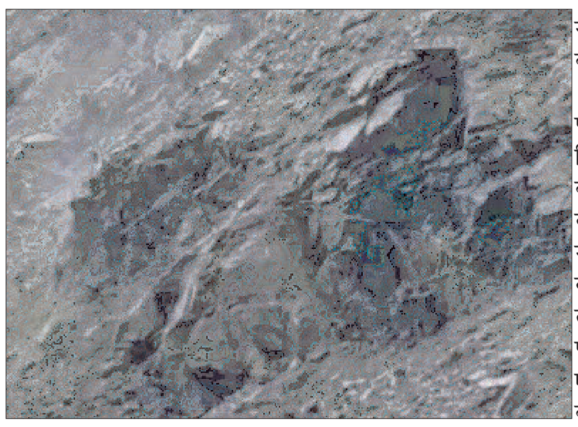

जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने बताया कि बुधवार शाम बारिश के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग 707ए पर कद्दूखाल में पहाड़ी का एक हिस्सा अचानक दरक गया। इससे सरकारी भूमि पर बना एक अनुपयोगी रेस्टोरेंट पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि सात खोखे खतरे की जद में आ गए। उन्होंने बताया कि प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पहले ही दुकानों, रेस्टोरेंट और निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया था। इसी कारण कोई जनहानि नहीं हुई।

खतरे वाले सभी प्रतिष्ठानों पर लाल क्रॉस का निशान लगा दिए गए है। दुकान संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे वहां पर फिलहाल कोई भी गतिविधि संचालित न करें। बताया राजस्व निरीक्षक और तहसीलदार की जांच रिपोर्ट में पाया गया कि उक्त स्थान पर एक व्यक्ति द्वारा निर्माण कार्य के लिए बिना अनुमति खुदाई की जा रही थी जिससे वहां भूस्खलन हुआ। संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात सामान्य रूप से चल रहा है।

टीएचडीसी हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

नई टिहरी। नौकरी करते हुए इंजीनियरिंग की डिग्री लेने के इच्छुक युवाओं के लिए राहतभरी खबर है। टीएचडीसी हाइड्रोपावर अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान भागीरथीपुरम में इस शिक्षा सत्र से बीटेक (वर्किंग प्रोफेशनल) पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। संस्थान के निदेशक डॉ. शरद कुमार प्रधान ने बताया कि यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से नौकरी कर रहे युवाओं और कर्मचारियों के लिए तैयार किया गया है।

बताया कि विद्युत अभियांत्रिकी (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग), सिविल अभियांत्रिकी और यांत्रिक अभियांत्रिकी (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) में 30–30 सीटों पर प्रवेश दिए जाएंगे। पढ़ाई के लिए कक्षाएं शाम के समय और अवकाश के दिन (शनिवार–रविवार) को संचालित की जाएगी जिससे नौकरी करने वाले अभ्यर्थियों की नियमित सेवा प्रभावित न हो।

आवेदन करने वाले अभ्यर्थी का संस्थान से 50 किलोमीटर के दायरे में स्थित किसी सरकारी विभाग, सार्वजनिक उपक्रम, निजी कंपनी, उद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) में नियमित रूप से कार्यरत होना चाहिए। एक वर्ष का पूर्णकालिक कार्य अनुभव होना अनिवार्य है। आवेदन के लिए किसी भी अभियांत्रिकी शाखा में तीन वर्षीय डिप्लोमा या पार्श्व प्रवेश (लेटरल एंट्री) के लिए मान्य दो वर्षीय डिप्लोमा में सामान्य वर्ग के लिए कम से कम 45 प्रतिशत तथा आरक्षित वर्ग के लिए 40 प्रतिशत अंक होना जरूरी है।

थत्यूड़ से कैंपटी का सफर होगा आसान

थत्यूड़ (टिहरी)। थत्यूड़–कैंपटी मोटर मार्ग का निर्माण जल्द पूरा होने की उम्मीद जगी है। मार्ग पर 1.60 किलोमीटर अवशेष हिस्सा बनने के लिए 68.60 लाख की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। सड़क बनने के बाद थत्यूड़ से कैंपटी के बीच करीब 10 किलोमीटर की दूरी कम हो जाएगी। लोगों को कैंपटी जाने के लिए मसूरी होकर नहीं जाना पड़ेगा जिससे आवागमन सुगम होगा।

कांडाजाख की ग्राम प्रधान मोनिका, जयपाल कैरवाण ने बताया कि थत्यूड़–कैंपटी मोटर मार्ग का निर्माण पिछले पांच वर्षों से चल रहा था। दोनों ओर से सड़क कट चुकी थी लेकिन कोल्टी गांव से आगे कखाड़ी और मवाणा से पीछे जगालकुड़ी के बीच 1.60 किलोमीटर का हिस्सा स्वीकृति के अभाव में अधूरा रह गया था। क्षेत्रीय विधायक प्रीतम सिंह पंवार के प्रयासों से अब इस अवशेष हिस्से के निर्माण को मंजूरी मिल गई है। सड़क पूरी होने से क्षेत्र के दर्जनों गांवों के लोगों को ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ आने–जाने में सुविधा मिलेगी। पर्यटन की दृष्टि से भी यह मार्ग महत्वपूर्ण साबित होगा। देवलसारी, नागटिब्बा पर्यटन स्थलों की दूरी कम होने से मसूरी और कैंपटी आने वाले पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने की उम्मीद है।

आशा कार्यकर्ताओं ने तहसील में किया प्रदर्शन

ऋषिकेश। आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने राज्य कर्मचारी घोषित किए जाने सहित 13 सूत्री मांगों के समर्थन में तहसील परिसर में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि सरकार उनकी उपेक्षा कर रही है। संगठन ने एसडीएम के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। बृहस्पतिवार को बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में तहसील परिसर पहुंची और सरकार के विरोध में नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। संगठन की महामंत्री ललितेश विश्वकर्मा ने कहा कि देशभर में लगभग 11 लाख आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं को जमीनी स्तर पर सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में टीकाकरण, स्वच्छता, जच्चा–बच्चा देखभाल, पल्स पोलियो, टीबी मुक्त भारत सहित कई स्वास्थ्य अभियानों में उनकी अहम भागीदारी रहती है,

चंबा में मल्टीलेवल पार्किंग नगर पालिका को देने की कवायद शुरू

नई टिहरी। चंबा नगर क्षेत्र में लोगों को जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए नगर पालिका ने पर्यटन विभाग की मल्टीलेवल वाहन पार्किंग अपने अधीन लेने की कवायद शुरू कर दी है। करीब आठ करोड़ रुपये की लागत से बनी पार्किंग को नगर पालिका को हस्तांतरित किए जाने के लिए जिला प्रशासन को पत्रावली भेजी है।

वर्ष 2021 में पर्यटन विभाग ने चंबा नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत पुरानी टिहरी सड़क के किनारे मल्टीलेवल वाहन पार्किंग का निर्माण कराया था। स्थानीय लोगों, व्यापारियों और यात्रियों को बेहतर पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराने के लिए इसका निर्माण किया गया था। निर्माण के बाद पर्यटन विभाग ने कुछ समय तक इसका संचालन किया, लेकिन कर्मचारियों की कमी के कारण बाद में इसे ठेके पर दे दिया गया। चंबा बाजार चारधाम यात्रा का प्रमुख पड़ाव होने के साथ क्षेत्र का महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र भी है। उत्तरकाशी, घनसाली, नई टिहरी, मसूरी और ऋषिकेश की ओर से लगातार वाहनों की आवाजाही रहने से नगर क्षेत्र में दिनभर यातायात का दबाव बना रहता है। बाजार की सड़कें संकरी होने और पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था न होने के कारण अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है।

पार्किंग शुल्क अधिक होने की आशंका में स्थानीय लोग अपने वाहन मल्टीलेवल पार्किंग में खड़े नहीं करते। सड़क किनारे ही वाहन छोड़ देते हैं। इससे राहगीरों और दुकानदारों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। मल्टीलेवल पार्किंग में 15 बसें और 50 से अधिक टैक्सी वाहनों को खड़ा करने की व्यवस्था है। जिला पर्यटन अधिकारी सोबत सिंह राणा ने बताया कि पार्किंग दिसंबर माह तक ठेके पर दी गई है। ठेका अवधि समाप्त होने के बाद आगे की व्यवस्था तय की जाएगी।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों में जुटा रोडवेज प्रशासन

ऋषिकेश। इस साल कांवड़ यात्रा 30 जुलाई से 11 अगस्त तक संचालित होगी। देहरादून में कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में जिलाधिकारी से दिशा निर्देश मिलने के बाद रोडवेज प्रशासन ने भी ऋषिकेश डिपो स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। डिपो की प्रभारी सहायक महाप्रबंधक अंजलिका शर्मा ने बताया कि देहरादून में डीएम ने कांवड़ यात्रा से संबंधित बैठक ली थी। बैठक के बाद रोडवेज डिपो की ओर से तैयारियां शुरू की जाने लगी हैं। बताया कि डिपो की तरफ से ऋषिकेश से हरिद्वार जाने वाली बसों में कांवड़ियों के लिए कुछ सीटें रिजर्व की जाएंगी। ऋषिकेश से वाया हरिद्वार होकर दिल्ली जाने वाली बसों को कांवड़ यात्रियों को बिठाने के लिए चालक परिचालकों को आदेश जारी किए जाएंगे। वहीं ऋषिकेश से हरिद्वार और ऋषिकेश से देहरादून के मध्य बसों के फेरे भी बढ़ाए जाएंगे। राष्ट्रीय संख्या 7/58 पर कांवड़ यात्रियों की भीड़ बढ़ने पर रोडवेज की बसें ऋषिकेश से देहरादून वाया करनाल और सोनीपत होते हुए दिल्ली भेजी जाएंगी। इन बसों में भी कांवड़ियों के लिए सीटें रिजर्व रहेंगी। हाईवे पर भीड़ बढ़ने पर सात या आठ अगस्त से बसें डायवर्ट होंगी।

अब भर्ती परीक्षा के सवालों पर आयोग दो बार मांगेगा आपत्तियां

देहरादून। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने अपनी भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों का नया आपत्ति मॉड्यूल लागू कर दिया है। इसके तहत आयोग परीक्षा कराने के बाद दो बार आपत्तियों का निस्तारण करेगा। इसके बाद ही परिणाम जारी करेगा। यह मॉड्यूल तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

आयोग से अनुमोदन के बाद नवीन ऑनलाइन प्रश्नपत्र ऑब्जेक्शन मॉड्यूल लागू किया गया है। इसके तहत पहले चरण में परीक्षा संपन्न होने के बाद परीक्षा के ए–सीरीज के प्रश्नपत्र को आयोग वेबसाइट पर जारी करेगा।

15 जुलाई को काला हरेला मनाएंगे पर्यावरण प्रेमी

ऋषिकेश। भानियावाला–ऋषिकेश फोरलेन के लिए संरक्षित प्रजाति के तीन हजार से अधिक पेड़ों के कटान के विरोध में पर्यावरण प्रेमियों ने 15 जुलाई को पूरे प्रदेश में काला हरेला मनाने का एलान किया है। आंदोलनकारियों का आरोप है कि सरकार एक ओर हरेला पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है, जबकि दूसरी ओर सैकड़ों वर्ष पुराने पेड़ों को काटने की अनुमति देकर जंगलों को नुकसान पहुंचा रही है।

भानियावाला–ऋषिकेश फोरलेन मार्ग के लिए इन दिनों पेड़ों के कटान का कार्य चल रहा है। करीब 19 किमी के दायरे में तीन हजार से अधिक पेड़ों को काटा जाना है। सबसे खास बात यह है कि जिस क्षेत्र में कटान होना है वहां अधिकांश पेड़ 100 साल पुराने बताए जा रहे हैं और संरक्षित प्रजाति के पेड़ हैं। पर्यावरण प्रेमी पेड़ों के कटान का विरोध कर रहे हैं। बुधवार को पर्यावरण प्रेमियों ने देहरादून स्थित एनएचएआई के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन भी किया था। पर्यावरण प्रेमी हिमांशु अरोड़ा ने कहा कि सरकार हरेला पर्व पर प्रतीकात्मक रूप से एक पौधा लगाकर फोटो खिंचवाती है,

एक नजर

गौशाला में घुसा पहाड़ी का मलबा, दो बकरियों की मौत, कई घायल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल में भारी वर्षा से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। भारी वर्षा से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। विकासखंड कल्जीखाल के ग्राम डांगी गांव के अंतर्गत कंटरखोली तोक में बुधवार से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण बड़ा हादसा हो गया। बकरी बाड़े में पहाड़ी में मलबा घुस जाने से दो बकरियों की मौत हो गई, जबकि कई बकरियां घायल हो गई है।

बकरी पालक भीम सिंह के बकरी बाड़े में पहाड़ी से मलबा घुस जाने से दो बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई बकरियां घायल हो गई। गनीमत रही कि बकरी बाड़ा के अंदर उस वक्त परिवार का कोई सदस्य नहीं गया वरना कोई अप्रिय घटना घट सकती थी। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग, राजस्व विभाग और पशुपालन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। तीनों विभागों द्वारा संयुक्त रूप से निरीक्षण कर विभागीय कार्यवाही की गई है। राजस्व उप निरीक्षक यशवंत सिंह ने बताया कि मृतक मवेशियों का पशु चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य प्रशिक्षण कर दैवीय आपदा के तहत उचित मुआवजा के लिए तहसील प्रशासन को रिपोर्ट भेज दी गई है। सामाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी ने जिला प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

भूमि पर कब्जे का आरोप, मुकदमा दर्ज

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत घमंडपुर निवासी एक व्यक्ति ने कुछ लोगों पर उनकी पैतृक भूमि कब्जाने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने महिला सहित कुछ अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

मामले में घमंडपुर निवासी विकास भट्ट की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि घमंडपुर में उनकी पैतृक भूमि है। लेकिन, पिछले लंबे समय से कुछ लोगों ने उनकी भूमि पर कब्जा जमाया हुआ है। भूमि के आसपास जाने पर भी वह लोग उनके साथ गाली-गलौच करने लगते हैं। यही नहीं उन्हें जान से मारने की भी धमकी दी गई है। बताया कि आरोपितों ने उनके विद्युत मीटर को भी तोड़ दिया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी गई है।

गंगोत्री हाईवे नगुण में देर शाम खुला, यमुनोत्री हाईवे स्यानाचट्टी में बंद

उत्तरकाशी। लगातार बारिश और भूस्खलन के कारण गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे पर यातायात बाधित होने का सिलसिला जारी है। बृहस्पतिवार को सुबह ही गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे जगह–जगह मलबा आने से आवाजाही के लिए घंटों बाधित रहे। गंगोत्री हाईवे नगुण के पास दिनभर आवाजाही ठप रही। हालांकि शाम को आवाजाही सुचारू हो गई है। वहीं, स्यानाचट्टी में दोपहर बाद फिर से भारी चट्टानी बोल्डर गिरने के कारण आवाजाही बंद है। गंगोत्री राजमार्ग पर सुबह नालूपानी और नगुण के समीप पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा आने के कारण यातायात पूरी तरह ठप हो गया। सूचना मिलते ही सड़क खोलने के लिए मशीनें मौके पर पहुंचीं और मलबा हटाने का कार्य शुरू किया गया। नालूपानी में करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद मार्ग पर वाहनों की आवाजाही शुरू कराई गई लेकिन दोपहर में एक बार फिर भूस्खलन होने से सड़क बंद हो गई। लगभग तीन घंटे तक चले राहत एवं सफाई कार्य के बाद यहां यातायात फिर से बहाल किया जा सका। वहीं नगुण में देर शाम को आवाजाही सुचारू कर दी गई है। तहसीलदार धीरेंद्र कुमाईं ने बताया कि नगुण के पास लगातार पहाड़ी से मलबा और पत्थर गिरने के कारण सड़क खोलने में दिक्कत आ रही है। सड़क बंद रहने का असर आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर भी पड़ा।

दिन, महीने, साल बीता पर मुआवजा नहीं मिल पाया

बड़कोट। स्यानाचट्टी आपदा को एक वर्ष बीत चुका है लेकिन तबाही झेल चुके 19 परिवार आज भी राहत की सहायता राशि के इंतजार में हैं। विडंबना यह है कि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से अप्रैल 2026 में करीब 61 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत हो चुकी है लेकिन प्रशासनिक स्तर पर लाभार्थियों की सूची में खामियों का हवाला देते हुए भुगतान पर रोक लगा दी गई है।

पिछले वर्ष बरसात के दौरान बड़कोट तहसील के अंतर्गत स्यानाचट्टी में यमुना नदी का प्रवाह बाधित होने से अस्थायी झील बन गई थी। जलस्तर बढ़ने पर पूरा स्यानाचट्टी कस्बा जलमग्न हो गया था जिससे कई मकानों और व्यवसायों को भारी नुकसान पहुंचा। प्रशासन ने 19 परिवारों को आपदा प्रभावित मानते हुए उनके लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से राहत सहायता स्वीकृत कराई थी।

आपदा प्रभावित जयपाल सिंह रावत, दिनेश राणा, शैलेंद्र राणा और विवेक राणा का कहना है कि राहत राशि जारी कराने की मांग को लेकर पीड़ितों का एक प्रतिनिधिमंडल हाल ही में जिलाधिकारी से भी मिला था। बैठक के दो सप्ताह बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि सरकार ने सहायता राशि तो स्वीकृत कर दी लेकिन प्रशासनिक प्रक्रिया की धीमी रफ्तार का खामियाजा अब पीड़ित परिवारों को भुगतना पड़ रहा है।

गुमखाल-सतपुली हाईवे पर बारिश बनी आफत, लगातार गिर रहे बोल्डर

सतपुली–गुमखाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर गिरे बोल्डर और मलबे को हटाती जेसीबी मशीन।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गुमखाल-सतपुली के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग पर बारिश के दौरान सफर करना इन दिनों बेहद जोखिमभरा हो गया है। हल्की बारिश होते ही पहाड़ियों से बोल्डर और मलबा सड़क पर गिर रहा है, जिससे यातायात बार-बार बाधित हो रहा है। लगातार हो रही घटनाओं को देखते हुए प्रशासन ने बारिश की स्थिति में शाम पांच बजे के बाद इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही रोकने का निर्णय लिया है। गुमखाल-सतपुली राष्ट्रीय राजमार्ग पर इन दिनों चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। पहाड़ियों और चट्टानों की कटिंग के कारण बारिश के दौरान ढीली चट्टानें और मलबा लगातार सड़क पर गिर रहा है। गुरुवार सुबह हुई बारिश में भी कई स्थानों पर भारी मात्रा में बोल्डर और मलबा हाईवे पर आ गया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद जेसीबी मशीनों की सहायता से मलबा हटाकर यातायात बहाल किया गया, लेकिन पूरे दिन रुक-रुक कर बोल्डर गिरने का सिलसिला जारी रहा। बारिश के दौरान हाईवे पर कब और किस स्थान पर पहाड़ी से बोल्डर गिर जाए, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। ऐसे में इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

वैकल्पिक मार्ग से भेजे जा रहे वाहन

यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बारिश के दौरान शाम पांच बजे के बाद गुमखाल-सतपुली मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बंद कर दी जाती है। इस दौरान वाहनों को दुगड्डा-फतेहपुर-डेरियाखाल-चुंडई-कांडाखाल होकर सतपुली भेजा जा रहा है। प्रशासन ने भी लोगों से मौसम खराब होने की स्थिति में इस मार्ग पर यात्रा से बचने की अपील की है।

हाल की घटनाओं ने बढ़ाई चिंता

कुछ दिन पहले इसी मार्ग पर पहाड़ी से गिरे बोल्डर की चपेट में आने से एक कार क्षतिग्रस्त हो गई थी। हालांकि, उसमें सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए। वहीं, इससे दो दिन पहले एक बोलेरो वाहन पर विशाल बोल्डर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने इस मार्ग पर यात्रा करने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

चैकिंग के नाम पर वसूली का विरोध

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने गैस चैकिंग के नाम पर वसूली किए जाने का विरोध किया। कहा कि गैस सर्विस कर्मी उपभोक्ताओं के घरों में आकर 236 रूपए की पर्ची काट रहे हैं।

उपजिलाधिकारी संदीप कुमार को दिए गए ज्ञापन में संगठन के संरक्षक व मीडिया प्रभारी बलवान सिंह रावत ने बताया कि वर्तमान में कोटद्वार क्षेत्र में संचालित गैस एजेंसियों के कर्मचारी गैस सुरक्षा संबधी जानकारी के साथ ही 236 रूपए की रसीद दे रहे हैं। कहा कि इस प्रकार की जानकारी देने के लिए एक सौ रूपए काफी है। कहा कि जिन उपभोक्ताओं से 236 रूपए की रकम वसूली गई है, उन उपभोक्ताओं से मात्र सौ रूपए काटकर बाकी 136 रूपए वापस करवाए जाए। साथ ही भविष्य में इस राशि को सौ रूपए ही रखा जाए।

महिला आयोग अध्यक्ष ने परखी नारी पुनर्वास केंद्र की व्यवस्थाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने गुरुवार को सिम्मलचौड़ स्थित नारी पुनर्वास केंद्र का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में रह रही महिलाओं और युवतियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सिम्मलचौड़ स्थित नारी पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण करती राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल।

निरीक्षण के दौरान केंद्र में रह रही महिलाओं और युवतियों ने आयोग अध्यक्ष के समक्ष कॉलेज आने-जाने तथा गर्भवती महिलाओं को समय पर अस्पताल पहुंचाने के लिए वाहन उपलब्ध कराने की मांग रखी। इस पर कुसुम कंडवाल ने अधिकारियों को शासन स्तर पर प्रस्ताव भेजने और महिलाओं की सुविधा के अनुरूप आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नारी पुनर्वास केंद्र केवल आश्रय स्थल नहीं, बल्कि महिलाओं को सुरक्षित माहौल और आत्मनिर्भर बनने का अवसर देने का माध्यम है। सरकार का उद्देश्य है कि यहां रहने वाली प्रत्येक महिला को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान के साथ बेहतर भविष्य मिल सके। आयोग अध्यक्ष ने केंद्र की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए बताया कि यहां से पुनर्वास प्राप्त कर चुकी एक युवती वर्तमान में बीटेक की पढ़ाई कर रही है, जो केंद्र की सकारात्मक कार्य प्रणाली का प्रमाण है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और पुनर्वास से जुड़े सभी मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाए तथा किसी भी प्रकार की सुविधा में कमी न रहने दी जाए। निरीक्षण के अंत में उन्होंने निरीक्षण पंजिका में अपने सुझाव दर्ज किए और अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि केंद्र में रह रही महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और समुचित देखभाल सर्वोच्च प्राथमिकता हो। इस अवसर पर विभाग की प्रशासनिक अधिकारी विजयलक्ष्मी भी उपस्थित रहीं।

एलयूसीसी पीड़ितों का धरना, निवेशकों की रकम लौटाने की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : द लोनी अर्बन मल्टी स्टेट एंड थ्रिफ्ट को–ऑपरेटिव सोसाइटी (एलयूसीसी) के निवेशकों ने कंपनी के फरार संचालकों की संपत्ति कुर्क कर डूबी हुई धनराशि वापस दिलाने की मांग को लेकर गुरुवार को भी तहसील परिसर में धरना जारी रखा। पीड़ितों का कहना है कि वे पिछले 368 दिनों से लगातार आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन अब तक शासन–प्रशासन की ओर से उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। सुरेश सिंह नेगी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में निवेशक तहसील परिसर पहुंचे और धरना–प्रदर्शन करते हुए शासन–प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि कंपनी के संचालकों ने धनराशि दोगुनी करने का झांसा देकर लोगों से निवेश कराया। बेहतर रिटर्न के लालच में सैकड़ों लोगों ने अपनी जीवनभर की बचत कंपनी में जमा कर दी, लेकिन बाद में कंपनी के कार्यालय बंद हो गए और संचालक फरार हो गए। इससे निवेशकों की करोड़ों रुपये की जमा पूंजी फंस गई। पीड़ितों ने मांग की कि फरार संचालकों की चल–अचल संपत्तियों को तत्काल कुर्क कर उनकी नीलामी की जाए और उससे प्राप्त धनराशि निवेशकों को लौटाई जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक उनकी जमा पूंजी वापस नहीं मिलती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। धरने में बबीता रावत, सुनीता रावत, तृप्ति नेगी, अंजू डबराल, वीरेंद्र रावत, संदीप रावत, आरती, शोभा कुकरेती, दीपा नेगी, सरोज गौड़, सुनीता नेगी, राजेंद्र भंडारी, हरेंद्र रावत, प्रदीप नेगी, उमेद सिंह, बलबीर नेगी और हेमा पंवार सहित अन्य पीड़ित मौजूद रहे।

रविंद्र रावत बनें नगर अध्यक्ष

श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखंड पेयजल निगम कर्मचारी महासंघ, नगर इकाई श्रीनगर गढ़वाल की आम बैठक गुरुवार को गढ़वाल मंडल अध्यक्ष एसएन जोशी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में सर्वसम्मति से नई नगर कार्यकारिणी का गठन किया गया।

नई कार्यकारिणी में वरिष्ठ सहायक बीरेंद्र लाल टस्टा को संरक्षक, प्रधान सहायक रविंद्र सिंह रावत को नगर अध्यक्ष, प्रधान सहायक धन सिंह रावत को नगर सचिव, कनिष्ठ सहायक दीपक सिंह नेगी को कोषाध्यक्ष चुना गया। बैठक में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने कर्मचारियों के हितों की रक्षा, संगठन को मजबूत बनाने तथा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। (एजेंसी)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाणपत्र पंजीकरण संख्या- B-2023: 5-90033-000537 दिनांक- 24-03-2023 को बना हुआ है। जिसमें मेरी पुत्री का नाम अंग्रेजी में SWATI दर्ज हो गया है। जबकि मेरी पुत्री का सही नाम हर्षाली शर्मा (HARSHALI SHARMA) है। अतः मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में मेरी पुत्री का सही नाम हर्षाली शर्मा (HARSHALI SHARMA) दर्ज कर जन्म प्रमाणपत्र जारी किया जाय।

अमित कुमार शर्मा पुत्र बसंत कुमार शर्मा निवासी ग्राम काशीरामपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0551/21)

आफत बनी बरसात, वार्डों में हुआ जल भराव

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वर्षा से पूर्व जल निकासी की बेहतर व्यवस्था नहीं होने के कारण वार्डवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालत यह है कि बुधवार रात हुई वर्षा के दौरान वार्ड नंबर-16 सिताबपुर कंडवाल मोहल्ले के कई घरों में वर्षा का भारी भर गया। जिसके कारण घरों में रहने वाले परिवार पूरी रात जागते रहे। गुरुवार सुबह वर्षा कम होने पर मोहल्ले की सड़कें तालाब में तब्दील नजर आई।

वर्षा काल से पूर्व नगर निगम की ओर से शहर में वर्षा जल निकासी की व्यवस्था बनाई जाती है। इसके लिए बकायदा सड़कों व गली मोहल्लों में नालों की सफाई की जाती है। लेकिन, अधिकांश वार्डों में पेयजल निकासी के लिए नालियां ही नजर नहीं आ रही। नतीजा, वर्षाकाल में वार्डवासियों की चुनौती बढ़ने लगी है। आंचल दूध डेयरी के समीप कंडवाल मोहल्ले में रहने वाले लोगों ने बताया कि उनके वार्ड में वर्षा जल निकासी के लिए नाली होने होने के कारण पानी घरों में घुस रहा है। वार्डवासी राम स्वरूप बुड़ाकोटी, आरपी गौड़,

कोटद्वार के सिताबपुर कंडवाल मोहल्ले में सड़क पर भरा वर्षा का पानी

मदन मोहन कोठारी व रमेश पंवार ने बताया कि बुधवार रात उनके घरों में वर्षा का पानी घुस गया। पूरा परिवार पानी को साफ करने में ही जुटा रहा। वार्ड की सड़क तालाब में तब्दील हो चुकी है। ऐसे में लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। सबसे अधिक परेशानी बच्चों व बुजुर्गों को हो रही है। वार्डवासियों ने नगर निगम से समस्या के निराकरण की मांग की है।

बेस चिकित्सालय में तीन नए चिकित्सकों ने संभाला कार्यभार

राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शासन की ओर से जारी स्थानांतरण सूची के तहत राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में तीन नए चिकित्सकों ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। नए डॉक्टरों की तैनाती से अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं और सुदृढ़ होने के साथ मरीजों को भी बेहतर उपचार मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।

हाल ही में स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश भर के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों के बड़े स्तर पर स्थानांतरण किए थे। इस सूची में राजकीय बेस चिकित्सालय से छह विशेषज्ञ चिकित्सकों का तबादला किया गया, जबकि उनके स्थान पर 12 चिकित्सकों की तैनाती की गई है। इनमें से फिलहाल तीन चिकित्सकों ने कार्यभार संभाल लिया है। वहीं, स्थानांतरित किए गए चिकित्सक भी अभी तक अस्पताल में सेवाएं दे रहे हैं, जिससे फिलहाल विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या पहले से अधिक हो गई है।

कार्यभार ग्रहण करने वालों में शल्य चिकित्सक डॉ. कर्मवीर सिंह, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास थलेड़ी तथा एक चिकित्सा अधिकारी शामिल है। नए चिकित्सकों की तैनाती के बाद बेस चिकित्सालय के हड्डी रोग विभाग में पहली बार चार विशेषज्ञ चिकित्सक एक साथ सेवाएं दे रहे हैं। वहीं, शल्य चिकित्सा विभाग में भी तीन सर्जनों की उपलब्धता से मरीजों को उपचार और ऑपरेशन संबंधी सुविधाएं बेहतर ढंग से मिल सकेंगी। अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की बढ़ी संख्या का सीधा लाभ मरीजों को मिलेगा और उपचार के लिए लंबा इंतजार भी कम होने की उम्मीद है।

सीमांत गांवों को ट्रैकिंग होमस्टे अनुदान योजना से जोड़ने की मांग

उत्तरकाशी। सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन को रोजगार का मजबूत आधार बनाने और पलायन पर अंकुश लगाने की मांग तेज हो गई है। गढ़वाल हिमालय ट्रैकिंग एवं माउंटेनियरिंग एसोसिएशन ने जिला प्रशासन से वाइब्रेंट विलेज योजना में शामिल पुराली, जसपुर, सुक्की और झाला गांवों को राज्य की ट्रैकिंग होमस्टे अनुदान योजना से जोड़ने की मांग की है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष जयेंद्र राणा का कहना है कि यह गांव पहले से ही केंद्र सरकार की वाइब्रेंट विलेज योजना में शामिल हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

विभाग	Electrical (TRD)
टेंडर नं.	T-24-TRD-MB-25-26-I
कार्य का नाम	मुरादाबाद मंडल के 53 लेवल क्रॉसिंग गेटों पर डमी ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) की व्यवस्था करना।
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक व समय	30.07.2026, 15:00 Hrs.
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	₹ 2,71,15,572.92/- (Including GST @18%)
बिड सिक्यूरिटी राशि (₹)	₹ 5,42,300/-
निविदा प्रपत्र मूल्य (₹)	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 दिन
कार्य पूरा करने की अवधि	06 माह
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in, Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad

निविदा सूचना सं.: Elect/TRD/MB/2026-27/TN-05 दिनांक: 09.07.2026 2359/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आवेदन पत्र आमंत्रण सूचना

उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मंडल के क्षेत्राधिकार में यात्री टिकट सुविधा केन्द्र (वाई०टी०एस०के०) की नियुक्ति के लिये आवेदन, पत्र की सूचना (फाइल सं०. 1-/YTSK/MB-2026) दिनांक: 09.07.2026

1	निविदा सं०	1-/YTSK/MB-2026)
2	**कार्य का नाम और स्थान:** मुरादाबाद मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय रेलवे के क्षेत्राधिकार में आरक्षित व अनारक्षित (PRS CUM UTS) टिकट जारी करने हेतू यात्री टिकट सुविधा केन्द्र (YTSK) की नियुक्ति जिसकी अवधि तीन वर्षों की होगी	
3	आवेदन पत्र जमा करने का पता	वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / कोंचिग उ०रे० मुरादाबाद. 244001
4	आवेदन पत्र जमा करने की प्रारम्भ तिथि व समय	दिनांक 10.07.2026 को 10:00 बजे से जमा किये जा सकते है।
5	आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि व समय	दिनांक 31.07.2026 को सांय 15.00 बजे तक जमा किये जा सकते है।
6	**सम्पूर्ण आवेदन पत्र के आमंत्रण की सूचना कहा देखी जा सकती है** आवेदन पत्र के आंमत्रण की सूचना उत्तर रेलवे की बेवसाइट से प्राप्त की जा सकती है। www.nr.indianrailways.gov.in किसी भी कार्य दिवस में 10.07.2026 से 30.07.2026 तक, 10:00 बजे से 17:00 बजे के बीच, वरिष्ठ मंडल. वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद 244001 के कार्यालय से भी प्राप्त किये जा सकते है। 2369/2026	

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तराखण्ड पॉवर कॉरपोरेशन लि.
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या: U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

ई–निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसमें उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (जी०एस०टी, ई०पी०एफ व ई०एस०आई में पंजीकृत) हो तथा पंजीकृत ठेकेदारों से निविदाएं दो भागों में जिसमें प्रथम भाग में वांछित जी०एस०टी, ई०पी०एफ, ई०एस०आई, धरोहर धनराशि किसी भी बैंक / डाकघर की एफडीआर/ सीडीआर / राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधोहस्ताक्षरकर्ता के पक्ष में बंधक होनी चाहिए एवं अन्य शर्तें जो निविदा से सम्बन्धित हो तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 06 माह के लिए वैध हो आमन्त्रित की जाती है। बिना प्रथम भाग के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी ई-निविदा को निरस्त कर सकते हैं। ई-निविदा संख्या-05/EDDK/26-27, धरोहर धनराशि रू. 39000.00, ई-निविदा संख्या-06/EDDK/26-27, धरोहर धनराशि रू. 45000.00 एवं ई-निविदा संख्या-07/EDDK/26-27, धरोहर धनराशि रू. 45000.00 तथा ई-निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की तिथि 28.07.2026 को 11.00 बजे तक स्वीकार की जायेगी। कार्य अन्य विवरण के लिये वेबसाइट www.uktenders.gov.in को देखे।

पत्रांक: 1937/विविखको/टी–6 दिनांक: 09.07.2026 अधिशासी अभियन्ता

राष्ट्र हित में बिजली बचायें, बिजली बचाने हेतु एल.ई.डी. बल्ब का प्रयोग करें। (टोल फ्री नं. 1912) विद्युत बिलों के 24x7 ऑनलाइन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएं। (विद्युत चोरी की सूचना टोल फ्री नं. 1800 180 4185/ फैक्स संख्या–0135–2760911 पर दें।)

संपादकीय

आस्था और सतर्कता की परीक्षा

उत्तराखंड के पहाड़ और मैदान में मानसून की शुरुआत अपना असर दिखने लगी है। भारी बरसात के कारण स्कूल बंद कर दिए गए हैं जबकि पर्वतीय क्षेत्र में जगह–जगह भूस्खलन की घटनाएं सामने आ रही है। ऐसे में शासन की ओर से मौसम सामान्य होने तक लंबी दूरी की यात्राओं को पहाड़ों में स्थगित करने की नसीहत दी गई है। उत्तराखंड की चारधाम यात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का महापर्व है। मानसून के आगमन के साथ ही यह यात्रा एक नई चुनौती के दौर में प्रवेश कर रही है। इस वर्ष भी प्रदेश के विभिन्न पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश ने जनजीवन के साथ–साथ चारधाम यात्रा को प्रभावित किया है। लगातार हो रही वर्षा के कारण अनेक स्थानों पर भूस्खलन, सड़क अवरोध, चट्टानों के गिरने और नदी–नालों के उफान की घटनाएं सामने आई हैं। गंगोत्री और यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्गों पर भूस्खलन से यातायात बाधित हुआ है, जबकि बदरीनाथ और केदारनाथ यात्रा मार्गों पर भी कई बार आवाजाही प्रभावित हुई है। मौसम विभाग ने कई क्षेत्रों में भारी वर्षा और आकाशीय बिजली की चेतावनी जारी की है। हिमालयी क्षेत्र की भौगोलिक संरचना अत्यंत संवेदनशील है। विशेषज्ञों का मानना है कि सामान्य से कम वर्षा होने पर भी अचानक होने वाली तीव्र बारिश, फ्लैश फ्लड और भूस्खलन का खतरा बना रहता है। जलवायु परिवर्तन ने मौसम की अनिश्चितता को और बढ़ा दिया है। चारधाम यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा राज्य सरकार और प्रशासन के लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है। बारिश के चलते सड़क मार्ग सुरक्षित नहीं समझ जा सकते, जबकि हेलीकॉप्टर सेवाएं भी मौसम खराब होने पर प्रभावित हो सकती हैं। प्रशासन मौसम का अलर्ट दे रहा है जिसका सभी यात्रियों को पालन करना चाहिए। परिस्थितियों काफी जटिल है लेकिन श्रद्धालुओं का उत्साह में कमी नहीं। आस्था लोगों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है, लेकिन आस्था के साथ सावधानी भी उतनी ही आवश्यक है। आस्था का कोई मूल्यांकन नहीं लेकिन अनावश्यक जोखिम से बचना चाहिए और प्रशासन के निर्देशों को गंभीरता से लेना चाहिए। चारधाम यात्रा होटल, परिवहन, स्थानीय व्यापार और हजारों परिवारों की आजीविका इस यात्रा से जुड़ी हुई है। इसलिए यह आवश्यक है कि यात्रा मार्गों पर स्थायी सुरक्षा उपाय, वैज्ञानिक ढंग से सड़क निर्माण, ढलानों का संरक्षण तथा आपदा प्रबंधन तंत्र को और अधिक मजबूत बनाया जाए। प्रकृति जब अपने मिजाज पर आती है तो किसी को नहीं छोड़ता अतः यह जरूरी है कि ऐसे मौसम में अनावश्यक जिद दिखाने की अपेक्षा प्रतीक्षा करना सबसे अच्छा विकल्प है। अभी तो मानसून की शुरुआत हुई और बारिश के इस दौर में उत्तराखंड एक बार फिर आस्था और प्रकृति के बीच प्रतिस्पर्धा नज़र आने लगी है। इन परिस्थितियों में सबसे सबसे महत्वपूर्ण निर्णय धैर्य और स्थानीय एडवायजरी का पालन करना ही है।

मुफ्त दवा योजना पर संकट नहीं समाधान की जरूरत

कांतिलाल मांडोत

जीवनरक्षक दवाओं की कमी गरीब मरीजों के लिए गंभीर चुनौती लेकिन समय रहते व्यवस्था सुधारकर सरकार भरोसा फिर मजबूत कर सकती है...

राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल केवल एक चिकित्सा संस्थान नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के लाखों मरीजों की उम्मीद का सबसे बड़ा केंद्र है। हर दिन हजारों मरीज दूर-दराज के गांवों और कस्बों से यहां इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि उन्हें बेहतर इलाज के साथ सरकार की निशुल्क दवा योजना का लाभ मिलेगा। लेकिन जब इलाज के बाद डॉक्टर की लिखी दवाएं अस्पताल के काउंटर पर उपलब्ध नहीं होतीं तो मरीज और उसके परिजनों की चिंता कई गुना बढ़ जाती है। हाल के दिनों में जीवनरक्षक दवाओं सहित बड़ी संख्या में दवाओं की अनुपलब्धता की खबरें सामने आई हैं। यह स्थिति निश्चित रूप से चिंता का विषय है और इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

गरीब और मध्यम वर्ग का बड़ा हिस्सा सरकारी अस्पतालों पर निर्भर रहता है। निजी अस्पतालों और मेडिकल स्टोर से दवाएं खरीदना हर परिवार के लिए आसान नहीं होता। विशेष रूप से कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गंभीर बीमारियों के मरीजों के लिए नियमित दवाएं जीवन का आधार होती हैं। यदि ऐसी दवाएं समय पर नहीं मिलें तो बीमारी बढ़ सकती है और आर्थिक बोझ भी कई गुना बढ़ जाता है। यही कारण है कि निशुल्क दवा योजना को राजस्थान की सबसे महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं में गिना जाता है। जयपुर के एसएमएस अस्पताल में जिन मरीजों को एक काउंटर से दूसरे काउंटर तक भेजा गया, कई दिनों बाद आने के लिए कहा गया या फिर बाहर से दवा खरीदने की सलाह दी गई, उनकी परेशानी को सहज रूप से समझा जा सकता है। जो मरीज सैकड़ों किलोमीटर दूर से किराया खर्च करके अस्पताल पहुंचता है, उसके लिए केवल दवा ही नहीं बल्कि दोबारा आने-जाने का खर्च भी बड़ी चुनौती बन जाता है। ऐसे मरीजों के सामने यह प्रश्न खड़ा हो जाता है कि वह इलाज कराए या परिवार का खर्च चलाए।

यह भी सच है कि यह समस्या केवल जयपुर तक सीमित नहीं दिखाई देती। प्रदेश के कई सरकारी अस्पतालों में समय-समय पर कुछ दवाओं की कमी की शिकायतें सामने आती रही हैं। कहीं सप्लाई में देरी होती है तो कहीं खरीद प्रक्रिया पूरी होने तक मरीजों को इंतजार करना पड़ता है। इससे सरकार की अच्छी योजनाओं की छवि प्रभावित होती है। जनता यह नहीं देखती कि कमी किस स्तर पर हुई है। उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह होती है कि अस्पताल पहुंचने पर दवा मिलनी चाहिए।

हालांकि इस पूरे विषय को केवल आलोचना के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। राजस्थान सरकार ने पिछले कई वर्षों में चिकित्सा सुविधाओं का उल्लेखनीय विस्तार किया है। नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, जिला अस्पतालों का सुदृढ़ीकरण, मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना और निशुल्क जांच योजना जैसी पहल ने लाखों गरीब परिवारों को राहत दी है। यदि ये योजनाएं नहीं होतीं तो गरीब मरीजों का इलाज और भी कठिन हो जाता। इसलिए यह कहना उचित होगा कि योजना में कमी नहीं है बल्कि उसके क्रियान्वयन के कुछ हिस्सों में सुधार की आवश्यकता है।

अस्पताल प्रशासन का यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि कुछ दवाएं राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड से उपलब्ध नहीं हो पातीं तो स्थानीय स्तर पर खरीद की जाती है। कई बार आपूर्ति करने वाली कंपनियों की ओर से विलंब होने के कारण अस्थायी समस्या उत्पन्न हो जाती है। यदि वास्तव में ऐसा है तो इसका समाधान भी प्रशासनिक स्तर पर संभव है। दवाओं की उपलब्धता का नियमित आकलन, समय रहते नई खरीद प्रक्रिया और वैकल्पिक व्यवस्था से इस प्रकार की कठिनाइयों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। स्वास्थ्य व्यवस्था जितनी बड़ी होती है, चुनौतियां भी उतनी ही अधिक होती हैं। राजस्थान जैसे विशाल राज्य में करोड़ों लोगों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना आसान कार्य नहीं है। दवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है और कई बार अनुमान से अधिक मरीज आने के कारण स्टॉक जल्दी समाप्त हो जाता है। इसलिए इस समस्या को केवल लापरवाही कह देना भी पूरी तस्वीर नहीं दशार्ता। आवश्यकता इस बात की है कि स्वास्थ्य विभाग, अस्पताल प्रशासन और दवा आपूर्ति एजेंसियां मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करें जिससे आवश्यक दवाओं का भंडार हमेशा सुरक्षित रहे। तकनीक का बेहतर उपयोग भी इस दिशा में बड़ा समाधान बन सकता है। यदि सभी सरकारी अस्पतालों में दवाओं का ऑनलाइन स्टॉक रियल टाइम अपडेट हो तो यह पहले ही पता चल जाएगा कि कौन सी दवा कितनी मात्रा में बची है और कब नई खेप की आवश्यकता होगी। इससे आपूर्ति में होने वाली देरी को काफी हद तक रोका जा सकता है। मरीजों को भी मोबाइल या हेल्पलाइन के माध्यम से यह जानकारी मिल सके कि संबंधित दवा किस अस्पताल में उपलब्ध है। इससे उन्हें अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

साथ ही अस्पतालों में मरीजों के साथ संवाद की व्यवस्था भी बेहतर होनी चाहिए। यदि किसी दवा की अस्थायी कमी है तो मरीज को स्पष्ट रूप से बताया जाए कि दवा कब तक उपलब्ध होगी या उसका सुरक्षित विकल्प क्या है। कई बार जानकारी के अभाव में मरीज अधिक परेशान हो जाता है। संवेदनशील व्यवहार और स्पष्ट सूचना भी आधी समस्या का समाधान कर देती है। इस विषय में जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों की भी भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्हें केवल आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रहने के बजाय स्थानीय स्तर पर समस्याओं की जानकारी सरकार तक पहुंचानी चाहिए। जहां भी दवा की कमी हो, वहां तत्काल समाधान के लिए प्रयास होने चाहिए। स्वास्थ्य सेवा राजनीति का नहीं बल्कि मानवता का विषय है। इसलिए सभी पक्षों को मिलकर काम करना चाहिए।

सरकार के सामने यह अवसर भी है कि वह इस घटना को एक चेतावनी के रूप में लेकर पूरे प्रदेश में दवा आपूर्ति व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करे। जिन अस्पतालों में जीवनरक्षक दवाओं की कमी है वहां तत्काल अतिरिक्त स्टॉक भेजा जाए। खरीद प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी तथा तेज बनाया जाए। जिन अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होती है, वहां जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाए। इससे जनता का विश्वास और मजबूत होगा।

पेट्रोल में एथनाल : आखिर ये माजरा क्या है?

निर्मल रानी

भारत में इन दिनों पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल का मिश्रण किये जाने यानी ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से होने वाले नुक़सान को लेकर बहस छिड़ गयी है। इसके प्रयोग से देश भर से वाहनों के इंजन खराब होने की खबरें मीडिया में आने लगी हैं। ई20 उपभोक्ता अब न केवल इसकी शिकायतें करने लगे हैं बल्कि जगह जगह इसे लेकर धरना प्रदर्शन भी होने लगे हैं। गत दिनों तो दिल्ली के जंतर मंतर पर भी ई20 मिश्रित पेट्रोल के विरोध में प्रदर्शन किया गया।और इससे वाहनों को होने वाले नुक़सान को लेकर सरकार को अवगत कराया गया। भारत में हो रहे इसके विरोध व इसके इस्तेमाल से आ रही परेशानियों व वाहनों को हो रहे कथित नुक़सान की खबरों के बीच पड़ोसी देश भूटान ने भी भारतीय तेल कंपनियों से एथनाल मिश्रित ई 20 पेट्रोल वहां न भेजने व केवल पूर्व में भेजा जा रहा केवल शुद्ध XP100 जैसे पेट्रोल की आपूर्ति करने को कहा है। भूटान द्वारा इसका कारण यह बताया गया है कि पेट्रोल पंपों पर भण्डारण के पुराने भूमिगत फ़्यूल टैंक में ई 20 पेट्रोल के भण्डारण की वजह से पानी के रिसाव का जोखिम है जिससे एथनाल मिश्रित ईंधन खराब हो सकता है। क्योंकि इथेनॉल की प्रवृति नमी को आकर्षित करने वाली होती है और वातावरण से नमी लेने पर ईंधन की गुणवत्ता घट सकती है और इंजन में अनेक प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा पहाड़ी इलाके में स्टोरेज और सप्लाई श्रृंखला को आधुनिक करना भी आवश्यक होगा, जिसमें तत्काल परिवर्तन करना जोखिमपूर्ण माना गया। भूटान द्वारा अपनी आपत्ति में पहाड़ी रास्तों में वाहन के परफार्मेंस पर भी फर्क पड़ने का संदेह व्यक्त किया गया है।

भारत में भी देश भर से गाड़ियों के खराब होने,गाड़ियों की पेट्रोल टंकी के गलने व जंग लगने,माइलेज कम होने व इंजन के खराब होने तक की शिकायतें आने लगी हैं। और उधर इसी ई 20 पेट्रोल की आपूर्ति व खपत की आड़ में शुद्ध पेट्रोल यानी एक्सपी100 का मूल्य 167 रुपए प्रति लीटर तक हो गया है। एथनाल के उपयोग से केवल गाड़ियां ही खराब नहीं हो रही हैं बल्कि इसके उत्पादन में भी पानी का भी बेतहशा दुरूपयोग किया जा रहा है जिससे भविष्य में यह जलसंकट का कारण भी बन सकता है। गौरतलब है कि एथनॉल का उत्पादन चावल ,मक्का और गन्ना आदि की फसलों से होता है। और इन सभी फसलों की पैदावार में बेतहाशा पानी का इस्तेमाल होता है। इसके बाद जब इसी फसल से एथनॉल बनाया जाता है तो इसमें और भी ज्यादा पानी खर्च होता है। मिसाल के तौर पर चावल से 1 लीटर एथनॉल बनाने में लगभग 10790 लीटर पानी खर्च होता है जबकि मक्का से 1 लीटर एथनॉल बनाने में करीब 4670 लीटर पानी की खपत होती है इसी तरह गन्ने से मात्र 1 लीटर एथनाल बनाने में तकरीबन 3630 लीटर पानी लगता है। गोया पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण की नीति देश के जल बचाने के अभियान के ठीक विरुद्ध जलसंकट खड़ा करने में भी सहायक हो सकती है। जरा सोचिये कि जब ई20 पेट्रोल की आपूर्ति में जल का इतना इस्तेमाल होता है तो यदि भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की इच्छानुसार पेट्रोल में 85 प्रतिशत मिश्रण कर ई85 की आपूर्ति की योजना पर अमल किया गया तो भारत जैसे उस देश में पानी के अकाल को कैसे टाला जा सकेगा जहां के कई इलाकों में पहले ही पीने का पानी लोगों को मयस्सर नहीं है? हालांकि अब खबर यह भी आ रही है कि भारी विरोध के बीच केंद्र सरकार अब ई25 पेट्रोल को लागू करने की योजना को फिलहाल टाल सकती है। सरकारी सूत्रों के अनुसार सरकार अब इस ई25 बदलाव को जल्दबाजी में लागू करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर विचार कर रही है।

देश में पेट्रोल में एथनाल के मिश्रण को लेकर कुछ जिम्मेदार लोगों के विरोधाभासी बयान भी सुनाई दे रहे हैं। इसकी वजह से आम लोगों में एथनाल के मिश्रण के प्रति अविश्वास व भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। मिसाल के तौर पर टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कंट्री हेड और एग्जीक्युटिव वाईस प्रेसिडेंट विक्रम गुलाटी ने अपने एक इंटरव्यू में पहले तो यह स्वीकार किया था कि ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से बेशक फ़्यूल एफि शिएंसी में कुछ कमी आती है। परन्तु बाद में उन्होंने ही प्रेस कॉन्फ़्रेंस में इसे परफॉर्मेंस के मामले में बेहतरीन ईंधन भी बता डाला। इसी तरह भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के बायोफ़्यूलस के एक्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर अनुराग सरावगी ने भी स्वीकार किया था कि एथनॉल मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल करने से गाड़ियों की माइलेज में 30 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। इतना ही नहीं बल्कि भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने गत 30 जून को सर्वोच्च न्यायलय में एक सुनवाई के दौरान अदालत को यह भी बताया कि ई-20 पेट्रोल का इस्तेमाल फिलहाल एक प्रयोग के तौर पर किया जा रहा है। इस बात के सार्वजनिक होने के बाद तो लोगों में और भी आक्रोश फैल गया कि आखिर प्रयोग के तौर पर उन्हें गिनी पिग अर्थात प्रयोग किये जाने वाला जीव क्यों बनाया जा रहा है। उसके बाद सरकार की तरफ से यह स्पष्टीकरण जारी किया गया कि अटॉर्नी जनरल के हवाले से कही जा रही बातें गलत हैं।

कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने भी एक तरह से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी की बातों का समर्थन करते हुए इस बात पर नाराजगी जताई कि 3.6 करोड़ भारतीय कार मालिकों पर इसतरह के प्रयोग क्यों किए जा रहे हैं ? उन्होंने कहा कि अभी भारत में 10 में से 9 गाड़ियां ई20 के अनुकूल नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह नीति आम सहमति के बिना और इसके होने वाले परिणामों को समझे बगैर लागू कर दी गई है। खड़गे ने यह भी कहा, हमारी गाड़ियों में इसे जबरदस्ती डालने के बाद आप राष्ट्रीय स्तर पर ईंधन बदलने की इस प्रक्रिया को प्रयोग नहीं कह सकते। उन्होंने कहा कि जब सरकार का अपना डेटा ही अभी तक तैयार नहीं है, तो नागरिकों को नुक़सान साबित करने की चुनौती नहीं दी जा सकती। आम लोग गिनी पिग नहीं हैं न ही हमारी सड़कें टेस्ट ट्रैक हैं और देश के उपभोक्ताओं की जेबें सरकार के ट्रायल का बजट नहीं हैं। खड़गे ने ई20 को वापस लेने मांग करते हुये कहा कि सरकार पहले इसे प्रयोग के योग्य,स्वीकार्य व प्रमाणित ईंधन साबित करे, फिर इसे प्रयोग करने की नीति लागू करें। निश्चित रूप से पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल मिश्रण देश के वाहन धारकों के लिये फिलहाल एक समस्या बन गया है और सरकार द्वारा इसके पक्ष में दिए जा रहे तर्कों व विशेषज्ञों व इस नीति के आलोचकों द्वारा उठाये जा रहे बिंदुओं के बीच देश समझ ही नहीं पा रहा है की आखिर ये माजरा क्या है?

हिंद-प्रशांत में भारत का बढ़ता सामर्थ्य एवं साझेदारियां

ललित गर्ग

भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता है। वर्षों तक भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक माना जाता था, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल रही है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान ने रक्षा उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल, आकाश वायु रक्षा प्रणाली, पिनाका रॉकेट सिस्टम, तेजस लड़ाकू विमान और अत्याधुनिक रक्षा उपकरण आज विश्व के अनेक देशों का विश्वास जीत रहे हैं।

भारत आज केवल विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति ही नहीं, बल्कि एक उभरती हुई वैश्विक महाशक्ति के रूप में अपनी नई पहचान स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने जिस आत्मविश्वास, स्पष्टता और दूरदृष्टि का परिचय दिया है, उसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा बदल दी है। कभी जो भारत अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए विदेशी हथियारों पर निर्भर था, वही भारत आज आधुनिक मिसाइलों, रक्षा प्रणालियों और सैन्य उपकरणों का निर्यात करने वाला विश्वसनीय राष्ट्र बन चुका है। यह परिवर्तन केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक, वैज्ञानिक, सैन्य और कूटनीतिक शक्ति का भी प्रमाण है। हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया सहित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ हुई उच्चस्तरीय वार्ताएं इस नई विदेश नीति की सफलता का सशक्त उदाहरण हैं। रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, तकनीक और रणनीतिक सहयोग के क्षेत्रों में हुए समझौते यह स्पष्ट करते हैं कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता और सुरक्षा का महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है।

भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता है। वर्षों तक भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक माना जाता था, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल रही है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान ने रक्षा उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल, आकाश वायु रक्षा प्रणाली, पिनाका रॉकेट सिस्टम, तेजस लड़ाकू विमान और अत्याधुनिक रक्षा उपकरण आज विश्व के अनेक देशों का विश्वास जीत रहे हैं। भारत की स्वदेशी अस्त्र मिसाइल और ब्रह्मोस मिसाइल आज केवल भारतीय सेना की शक्ति का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि विश्व के अनेक देशों की सुरक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम भी बन रही हैं। पाकिस्तान के विरुद्ध आतंकवाद विरोधी अभियानों में इन हथियारों की प्रभावशीलता ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया है। यही कारण है कि इंडोनेशिया जैसे महत्वपूर्ण देश अपने सुखोई लड़ाकू विमानों के लिए अस्त्र मिसाइल प्राप्त करना चाहते हैं तथा ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली खरीदने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह भारत के रक्षा उद्योग के प्रति बढ़ते वैश्विक विश्वास का प्रमाण है।

इंडोनेशिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र का अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। मलक्का जलडमरूमध्य जैसे विश्व के सबसे व्यस्त समुद्री मार्ग पर उसकी रणनीतिक स्थिति वैश्विक व्यापार के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। भारत और इंडोनेशिया के बीच बढ़ता रक्षा सहयोग केवल दो देशों के संबंधों को मजबूत नहीं करता, बल्कि पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को भी नया आयाम देता है। समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद विरोध, रक्षा तकनीक, साइबर सुरक्षा और संयुक्त सैन्य अभ्यासों के माध्यम से दोनों देशों का सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि भारत अब किसी पर निर्भर होकर नहीं, बल्कि समान साझेदारी और परस्पर सम्मान के आधार पर संबंध स्थापित कर रहा है। भारत किसी देश पर अपनी शक्ति थोपने में विश्वास नहीं रखता। उसकी विदेश नीति का मूल मंत्र है-'वसुधैव कुटुम्बकम्', 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' और 'विश्व बंधुत्व'। यही कारण है कि भारत जहां अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत कर रहा है, वहीं दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका, पश्चिम एशिया और वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ भी विश्वासपूर्ण साझेदारी विकसित कर रहा है।

आज हिंद-प्रशांत क्षेत्र विश्व राजनीति का केंद्र बन चुका है। चीन का विस्तारवादी रवैया, दक्षिण चीन सागर में उसका सैन्यीकरण, छोटे देशों पर दबाव बनाने की नीति तथा आर्थिक प्रभुत्व स्थापित करने के प्रयास विश्व समुदाय के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। भारत ने इन परिस्थितियों में संतुलित, शांतिपूर्ण लेकिन दृढ़ रणनीति अपनाई है। भारत किसी के विरुद्ध युद्ध नहीं चाहता, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता से कोई समझौता भी नहीं करता। यही संतुलित दृष्टिकोण भारत को विश्व का विश्वसनीय साझेदार बनाता है। भारत की बढ़ती रक्षा क्षमता चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के लिए स्पष्ट संदेश है कि नया भारत अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। भारत अब केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और आधुनिक तकनीकी युद्ध की तैयारियों में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी रक्षा उत्पादन इस दिशा में भारत की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरा है।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं की सबसे बड़ी सफलता यह रही है कि उन्होंने भारत की वैश्विक छवि को अभूतपूर्व ऊंचाई प्रदान की है। आज विश्व के बड़े राष्ट्र भारत को केवल विशाल बाजार के रूप में नहीं, बल्कि विश्वसनीय मित्र, तकनीकी साझेदार, निवेश गंतव्य और सुरक्षा सहयोगी के रूप में देख रहे हैं। जी-20 की सफल अध्यक्षता, क्वाड की सक्रिय भूमिका, इंडो-पैसिफिक सहयोग, वैश्विक दक्षिण की आवाज तथा जलवायु परिवर्तन, डिजिटल अर्थव्यवस्था और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भारत का नेतृत्व इसकी पुष्टि करता है। भारत की विदेश नीति अब केवल कूटनीतिक दस्तावेज नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय विकास का सशक्त माध्यम बन चुकी है। रक्षा निर्यात बढ़ने से विदेशी मुद्रा अर्जित हो रही है, लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं, अनुसंधान एवं नवाचार को नई गति मिल रही है और भारतीय उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत हो रहे हैं। यह विकसित भारत के निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

भारत की विदेश नीति का मूल मंत्र सदैव शांति, सह-अस्तित्व और परस्पर सम्मान रहा है। आदर्श स्थिति में किसी भी दो देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की नींव किसी तीसरे देश के प्रति वैमनस्य या शत्रुता पर नहीं, बल्कि साझा विकास, सुरक्षा और स्थिरता पर आधारित होनी चाहिए। किंतु अंतरराष्ट्रीय राजनीति आदर्शों से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों और शक्ति-संतुलन से संचालित होती है। आज चीन और पाकिस्तान अपने सैन्य एवं आर्थिक गठजोड़ को सऊदी अरब तक विस्तार देने के प्रयासों में जुटे हैं। हाल के सप्ताहों में सऊदी नेतृत्व और बीजिंग के बीच बढ़ती सक्रियता इस बदलते भू-राजनीतिक समीकरण का संकेत है। यद्यपि सऊदी अरब की प्राथमिक सुरक्षा चिंताएं पाकिस्तान और चीन से अलग हैं तथा उसका प्रमुख ध्यान खाड़ी क्षेत्र में ईरान के बढ़ते प्रभाव पर केंद्रित है, फिर भी बदलते वैश्विक समीकरण भारत के लिए सतर्क रहने का संदेश देते हैं। पाकिस्तान हर परिस्थिति में भारत के विरुद्ध रणनीतिक लाभ उठाने का अवसर तलाशता है, जबकि चीन अपने विस्तारवादी दृष्टिकोण के माध्यम से क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित करने का प्रयास करता है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी, संतुलित और सक्रिय विदेश नीति भारत के हितों की प्रभावी सुरक्षा करती दिखाई देती है। उनकी कूटनीति केवल मित्र देशों के साथ विश्वास बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि चीन और पाकिस्तान की शरारतों, षड्यंत्रों तथा सामरिक चुनौतियों का संयमित और दृढ़ता से सामना करने की क्षमता भी प्रदर्शित करती है। यही दूरगामी सोच भारत को एक विश्वसनीय, जिम्मेदार और प्रभावशाली वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

आज विश्व एक ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो शक्ति और शांति, विकास और सुरक्षा, तकनीक और मानवता के बीच संतुलन स्थापित कर सके। भारत इस भूमिका को सफलतापूर्वक निभाने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने यह सिद्ध किया है कि सशक्त राष्ट्र वही होता है जो अपनी रक्षा करने में सक्षम होने के साथ-साथ विश्व शांति और मानव कल्याण का भी वाहक बने। निस्संदेह भारत अब विस्तारवाद का नहीं, विकासवाद का प्रतीक है। वह हथियारों का निर्माण युद्ध भड़काने के लिए नहीं, बल्कि शांति की रक्षा और संतुलन स्थापित करने के लिए कर रहा है। यही भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकतांत्रिक मूल्यों और जिम्मेदार वैश्विक नेतृत्व की पहचान है। आने वाले वर्षों में भारत की यही संतुलित विदेश नीति, आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति और विश्वसनीय कूटनीतिक नेतृत्व न केवल विकसित भारत के स्वप्न को साकार करेगा, बल्कि विश्व व्यवस्था को भी अधिक सुरक्षित, संतुलित और न्यायपूर्ण दिशा प्रदान करेगा।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण चीन में बाढ़ का कहर : छह की मौत, 11 लापता, लाखों लोग प्रभावित

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण चीन के गुआंग्शी ज़ुआंग स्वायत्त क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ में मंगलवार शाम तक छह लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 11 लोग अब भी लापता हैं। समाचार एजेंसी सि?न्हुआ के मुताबिक, टाइफून मेसाक की वजह से हुई भारी बारिश से गुआंग्शी में करीब 3.75 लाख लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि 1.30 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। गुआंग्शी में राहत और बचाव का काम तेजी से जारी है। खोज और बचाव अभियान के लिए 8,000 से ज्यादा कर्मियों, 1,700 से अधिक वाहनों और 5,700 नावों को लगाया गया है। इसके साथ ही खतरनाक जगहों को सुरक्षित बनाने का काम भी चल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, इलाके के कई हिस्सों में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश होने की संभावना है। फिलहाल क्षेत्र के 341 जलाशयों में पानी खतरे के निशान से ऊपर है। वहीं, 41 नदियों के 56 निगरानी केंद्रों पर भी पानी का स्तर चेतावनी सीमा से ऊपर दर्ज किया गया है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि वह लोगों को समय रहते चेतावनी देने, जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और बाढ़ के बाद राहत व पुनर्वास के काम को और मजबूत करेगा।

अच्छी इंसान होकर भी मेलोनी ने गलती की, खराब हो गए रिश्ते : डोनाल्ड ट्रंप

अंकारा, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ईरान से जुड़े सैन्य अभियान में अमेरिका का साथ न देकर 'गलती' की। इस फैसले की वजह से दोनों देशों के रिश्तों में खटास आ गई। ?उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) शिखर सम्मेलन से पहले अंकारा में तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के साथ बैठक से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट और ईरान से जुड़े मामले में इटली के सहयोग से इनकार करने के बाद मेलोनी के साथ उनके रिश्ते 'थोड़े खराब हो गए।' जब ट्रंप से सोशल मीडिया पर मेलोनी को लेकर की गई एक हालिया पोस्ट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि वह अच्छी इंसान हैं।' उन्होंने कहा, 'पहले हमारे रिश्ते अच्छे थे, लेकिन फिर थोड़े खराब हो गए क्योंकि उन्होंने हमारी मदद करने से मना कर दिया। मैंने उन पर ज्यादा दबाव नहीं डाला था, लेकिन उन्होंने होर्मुज स्?ट्रेट के मामले में या कहें कि ईरान के मुद्दे पर, शामिल होने से इनकार कर दिया।' ट्रंप ने कहा कि इटली के इस फैसले का असर उनके रिश्तों पर पड़ा, हालांकि उन्होंने मेलोनी की तारीफ भी की। उन्होंने कहा, 'इससे मेरे और उनके रिश्ते में थोड़ी खटास आ गई। लेकिन, मैं उन्हें पसंद करता हूं। मुझे लगता है कि वह अच्छी इंसान हैं, लेकिन उन्होंने गलती की।' राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यूरोपीय देशों का होर्मुज स्ट्रेट में स्थिरता बनाए रखने में सीधा हित है क्योंकि वे मध्य पूर्व से आने वाले तेल पर काफी हद तक निर्भर हैं। उन्होंने कहा, 'उन्हें अपना बहुत सारा तेल वहीं से मिलता है। हमें वहां से तेल की जरूरत नहीं है। अमेरिका के पास बहुत ज्यादा तेल है, बल्कि दुनिया में सबसे ज्यादा तेल हमारे पास है।

ईरानी संसद के स्पीकर की दो-टूक, अब धौंस जमाने और जबरन वसूली का दौर नहीं; अमेरिका पर क्या आरोप लगाए?

तेहरान , एजेंसी। क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के बीच, ईरान के शीर्ष वार्ताकार और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने वाशिंगटन पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से द्विपक्षीय समझौतों के कई उल्लंघनों का विस्तृत विवरण दिया है। एक्स पोस्ट में, वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने अमेरिकी प्रशासन की ओर से किए गए समझौता ज्ञापन के कई प्रमुख उल्लंघनों को गिनाया, जो दोनों देशों के बीच राजनयिक प्रतिबद्धताओं में गंभीर दरार का संकेत देता है। संसद अध्यक्ष के अनुसार, इन अमेरिकी कार्रवाइयों में 'जलडमरूमध्य में ईरानी समायोजन का उल्लंघन', 'आगे और हमलों की लगातार धमकियां', 'तेल प्रतिबंधों को फिर से लागू करना', 'दक्षिण ईरान पर हमले' और लेबनान में 'जायोनी आक्रामकता का जारी रहना' शामिल हैं। गालिबाफ ने आगे कहा 'धमकी और जबरन वसूली का युग समाप्त हो गया है। इससे कुछ हासिल नहीं होता। 'हम झुकेंगे नहीं।' तेहरान की यह तीखी बयानबाजी वाली जवाबी प्रतिक्रिया, समुद्री क्षेत्र में हुई ताजा घटनाओं के बाद अमेरिका द्वारा ईरानी ठिकानों के खिलाफ व्यापक सैन्य अभियान शुरू करने के साथ, शत्रुता में नाटकीय वृद्धि की सीधी प्रतिक्रिया है। भारी बमबारी के परिचालन संबंधी विवरण प्रदान करते हुए, अमेरिकी केंद्रीय कमान ने पुष्टि की कि उसने 7 जुलाई को जवाबी हमलों की एक श्रृंखला को अंजाम दिया, जिसमें ईरान के अंदर 80 से अधिक सैन्य ठिकानों पर सटीक निर्देशित गोला-बारूद से हमला किया गया। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, इन लक्षित अभियानों का मुख्य उद्देश्य तेहरान की समुद्री आक्रमण क्षमताओं को नष्ट करना था। कई घंटों तक चले इस अभियान के दौरान जिन लक्ष्यों को नष्ट किया गया उनमें कमान और नियंत्रण नेटवर्क, वायु रक्षा तंत्र, तटीय रडार प्रतिष्ठान, जहाज-रोधी मिसाइल स्थल और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर की 60 से अधिक छोटी नौकाएं शामिल थीं।

अमेरिका ने सीजफायर के बीच ईरान पर एयरस्ट्राइक की

80 से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया ; ईरान ने बहरीन और कुवैत में जवाबी हमले किए

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका ने सीजफायर के बीच बुधवार तड़के ईरान पर एयरस्ट्राइक की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों को सटीक हथियारों से निशाना बनाया गया। अमेरिका का कहना है कि यह कार्रवाई होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे तीन जहाजों पर हुए हमलों के जवाब में की गई। वॉशिंगटन ने इन हमलों के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया है

एयरस्ट्राइक में एयर डिफेंस सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, तटीय रडार, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एंटी-शिप मिसाइल सिस्टम, ड्रोन लॉन्च साइट्स और ढ्ढक्रत्रष्ट की 60 से ज्यादा मिलिट्री बोट्स को निशाना बनाया गया। ईरानी मीडिया के मुताबिक, सीरिक, केश्म द्वीप और बंदर अब्बास में कई धमाके हुए और कुछ जगहों पर आग लग गई। इसके जवाब में ईरानी सेना ने बहरीन और कुवैत में अमेरिका सैन्य ठिकानों पर 85 से ज्यादा टारगेट्स हिट करने का दावा किया है।

कतर ने होर्मुज में ईरानी हमलों की निंदा की: कतर ने होर्मुज में उसके जहाज पर हमले की निंदा करते हुए ईरान को कानूनी रूप से पूरी तरह जिम्मेदार ठहराया। साथ ही कहा कि ईरानी हमले अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए खतरा हैं।

ईरान बोला- धमकियों के बीच अमेरिका से बातचीत नहीं: ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि धमकियों के माहौल में कोई समझौता नहीं होगा। पहले अमेरिका को अपने पुराने समझौतों का सम्मान करना होगा।

कोम में खामेनेई के जनाजे में लाखों की भीड़ उमड़ी : तेहरान में अंतिम यात्रा के बाद लगातार दूसरे दिन कोम में भी खामेनेई के जनाजे में लाखों की भीड़ उमड़ी। कई लोगों ने ताबूत पर लाल कपड़ा भी चढ़ाया, जो बदले का प्रतीक है।

खामेनेई का पार्थिव शरीर इराक के नजफ पहुंचा: ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई का पार्थिव शरीर मंगलवार रात इराक के नजफ शहर पहुंचा। ईरान में कई दिनों तक चली अंतिम यात्रा और धार्मिक रस्मों के बाद ताबूत को विशेष विमान से नजफ लाया गया।

अमेरिकी अधिकारी का दावा- पहले से 4-5 गुना बड़ा हमला : एक अमेरिकी अधिकारी ने एक्सियोस से कहा कि इस बार ईरान पर किया गया हमला दस दिन पहले हुए हमलों की तुलना में 'चार से पांच गुना अधिक बड़ा और ज्यादा शक्तिशाली' है। अधिकारी ने यह भी कहा कि यह सैन्य अभियान कई घंटे और जारी रह सकता है तथा अप्रैल में हुए युद्धविराम के बाद यह अमेरिका की सबसे बड़ी सैन्य कार्रवाई है। एक अन्य अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि यह अभियान 'सिर्फ जवाबी कार्रवाई नहीं बल्कि सजा देने के उद्देश्य से' चलाया जा रहा है। अधिकारी ने कहा, 'यह सजा है और यह अभी खत्म नहीं होने वाला।अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने 21 जून को पूर्व प्रतिबंधों में ढील देते हुए 21 अगस्त तक ईरानी कच्चे तेल, पेट्रोकेमिकल और पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पादन, आपूर्ति और बिक्री की अनुमति दी थी। यह फैसला अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन के बाद लिया गया था। वहीं, ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने मंगलवार को सूत्रों के हवाले से दावा किया कि कतर के तेल टैंकर Al-Raqayat को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वह अमेरिकी नौसेना के समर्थन के साथ ओमानी मार्ग से होर्मुज जलडमरूमध्य पार करने की कोशिश कर रहा था और उसने ईरान की कई चेतावनियों को नजरअंदाज किया। IRIB ने ईरान के पुराने रुख को दोहराते हुए कहा कि अमेरिका के हमले के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति पहले जैसी नहीं रहेगी। जलडमरूमध्य से गुजरने वाले सभी जहाजों को केवल उन्हीं मार्गों का इस्तेमाल करना होगा जिन्हें ईरान ने निर्धारित किया है, अन्यथा उनकी सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकती। अमेरिकी फैसले से पहले तीन तेल टैंकरों के होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास अज्ञात प्रोजेक्टाइल से प्रभावित होने की सूचना मिली थी। यह जानकारी ब्रिटेन की यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स ने दी। हालांकि, इन हमलों की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली और तेहरान की ओर से भी तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई।

बलूचिस्तान में मांगी डैम सुरक्षा चौकी पर आतंकी हमला : 9 पुलिसकर्मियों की मौत

क्वेटा/इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान से एक बार फिर बड़े आतंकी हमले की खबर सामने आई है। जियारत ज़िले में निर्माणाधीन 'मांगी डैम' की सुरक्षा में तैनात पुलिस बल पर अज्ञात बंदूकधारियों ने घात लगाकर आत्मघाती हमला किया। इस बर्बर हमले में दो वरिष्ठ अधिकारियों सहित कम से कम 9 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कई जवानों के लापता होने की खबर है। जियारत के डिप्टी कमिश्नर अब्दुल कुद्दूस अचकजई ने बीबीसी उर्दू को बताया कि हमलावर आधुनिक हथियारों से लैस थे और उन्होंने अचानक सुरक्षा चौकी को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

क्यों अहम है यह बांध: प्रभावित पुलिसकर्मी अरबों रुपये की लागत से बन रहे मांगी डैम के निर्माण स्थल की सुरक्षा के लिए तैनात थे। यह बांध बलूचिस्तान की प्रांतीय राजधानी क्वेटा में पीने के पानी के गंभीर संकट को दूर करने के उद्देश्य से बनाया जा रहा है।

लापता जवानों के लिए सर्च ऑपरेशन: हमले के बाद से लापता पुलिसकर्मियों की सुरक्षित वापसी के लिए इलाके में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। घटना के विरोध में स्थानीय लोगों और परिजनों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर उग्र प्रदर्शन भी किया।

हालांकि, अभी तक किसी भी बड़े उग्रवादी संगठन ने इस हमले की आधिकारिक जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने इलाके में तुरंत मोर्चा संभाल लिया है। बलूचिस्तान प्रशासन के दावों के मुताबिक, हमले के तुरंत बाद जियारत और आसपास के पहाड़ी इलाकों में एक बड़ा 'क्लियरेंस ऑपरेशन' चलाया गया। इस जवाबी कार्रवाई के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के 15 उग्रवादियों को मार गिराने का दावा किया है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने इस कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा करते हुए जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों को देश का गौरव बताया। अफगानिस्तान और ईरान की सीमाओं से सटा बलूचिस्तान प्रांत पिछले लंबे समय से हिंसक उग्रवाद की आग में झुलस रहा है।

स्थानीय बनाम सीमा पार का संकट: यहाँ बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी) जैसे स्थानीय अलगाववादी गुट प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण और अधिक स्वायत्तता की मांग को लेकर पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाते रहे हैं। हाल ही में मई महीने में भी बीएलए ने एक सैन्य ट्रेन पर हमला किया था जिसमें 20 जवानों की मौत हुई थी।

ड्रोन और सीमा विवाद: इसके साथ ही इस क्षेत्र में सीमा पार (अफगान बॉर्डर) से होने वाले हवाई और जमीनी हमले भी बढ़े हैं। पिछले हफ्ते ही पाकिस्तान सेना ने सीमा पर चार संदिग्ध ड्रोन मार गिराने का दावा किया था, जिसके बाद से दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव चरम पर है।

फ्रांसीसी अदालत से मरीन ले पेन को राहत, जानें कोर्ट ने क्या रखी शर्त; राष्ट्रपति चुनाव लड़ने पर संशय

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन को 2027 के राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की दिशा में बड़ी राहत मिली है। हालांकि, अपील अदालत ने साफ किया है कि उन्हें अपनी सजा के तहत घर पर रहते हुए इलेक्ट्रॉनिक निगरानी ब्रेसलेट पहनना होगा। जबकि ले पेन पहले ही कह चुकी हैं कि इस शर्त के साथ चुनाव प्रचार करना उनके लिए स्वीकार्य नहीं होगा। पेरिस की अपील अदालत ने मंगलवार को ले पेन को यूरोपीय संसद के धन के गबन (गबन/दुरुपयोग) के मामले में दोषी माना, लेकिन उनकी सजा में कुछ राहत दी। अदालत ने सार्वजनिक पद संभालने पर लगी रोक को पांच साल से घटाकर 45 महीने कर दिया। इनमें से दो-तिहाई अवधि निलंबित रहेगी। इसके अलावा, उनकी जेल की सजा भी चार साल से घटाकर तीन साल कर दी गई। इनमें से दो साल की सजा निलंबित रहेगी, जबकि एक साल की सजा उन्हें घर पर इलेक्ट्रॉनिक निगरानी ब्रेसलेट पहनकर पूरी करनी होगी। यह मामला 2004 से 2016 के बीच का है। आरोप है कि ले पेन और उनकी पार्टी नेशनल रैली के अन्य नेताओं ने यूरोपीय संसद के उन फंड का गलत इस्तेमाल किया, जो संसदीय सहायकों के वेतन के लिए दिए गए थे। आरोप के अनुसार, इस धन से पार्टी के कर्मचारियों को भुगतान किया गया। मार्च 2025 में निचली अदालत ने ले पेन को इस मामले में दोषी ठहराते हुए चार साल की जेल और पांच साल तक कोई निर्वाचित पद नहीं संभालने की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ उन्होंने अपील की थी। 57 वर्षीय मरीन ले पेन लगातार सभी आरोपों से इनकार करती रही हैं। उनका कहना है कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया। वह 2027 में फ्रांस के राष्ट्रपति पद के लिए चौथी बार चुनाव लड़ना चाहती हैं।

लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ को अमेरिका-कनाडा ने निज्जर हत्याकांड का आरोपी बनाया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने भारत में जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके साथी सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ पर नवंबर 2023 में कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आदेश देने का आरोप लगाया है.

लॉस एंजिल्स में मंगलवार को जारी एक संघीय आरोप पत्र के अनुसार बिश्नोई ने तीन साल पहले 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक सिख मंदिर के बाहर निज्जर की हत्या का आदेश दिया था. ऑपरेशन हार्डबॉल' नाम के एक कोऑर्डिनेटेड एक्शन में अमेरिका, कनाडा और यूरोप की लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों ने 24 लोगों को गिरफ्तार किया. इनमें से 11 कैलिफ़ोर्निया में थे जो भारत के तीन ट्रांसनेशनल ऑर्गनाइज्ड क्राइम ग्रुप से जुड़े थे. उन पर निज्जर की हत्या समेत कई क्रिमिनल कामों का आरोप था. अमेरिकी फर्स्ट असिस्टेंट अटॉर्नी बिल एसेली ने लॉस एंजिल्स में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'एक साथ काम करते हुए अमेरिका, कनाडा, यूरोप और एशिया में लॉ एनफोर्समेंट इन क्रिमिनल ऑर्गनाइजेशन को टारगेट करने और खत्म करने के लिए पक्का इरादा कर चुकी है, चाहे वे कहीं भी काम करते हों. इन गुंडों के लिए कोई सेफ जगह नहीं है.' निज्जर की हत्या से भारत और कनाडा के बीच आपसी रिश्ते खराब हो गए थे, क्योंकि उस समय के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने नई दिल्ली सरकार को इस हत्या से जोड़ने की कोशिश की थी. भारत ने इन दावों को 'बेतुका और जानबूझकर किया गया' बताकर खारिज कर दिया था. मौजूदा कार्रवाई भारतीय क्राइम सिंडिकेट की सालों से चल रही फेडरल जांच का नतीजा है, जो रैकेटियरिंग, टारगेटेड किलिंग, शूटिंग, जबरन वसूली, इंटरनेशनल बॉर्डर के पार भारी मात्रा में नशीले पदार्थों की तस्करी और दुनिया भर में दूसरे ऐसे अपराधों में शामिल हैं, जिनका असर खासकर भारतीय प्रवासियों पर महसूस किया जाता है. कुल मिलाकर, 37 आरोपियों पर जिनमें दो ऐसे आरोपी भी शामिल हैं जो भारत में जेल में रहते हुए अपने ग्लोबल क्रिमिनल सिंडिकेट चलाते थे मंगलवार को खोले गए तीन चार्जशीट में आरोप लगाए गए. अमेरिका में गिरफ्तार किए गए लोग कैलिफ़ोर्निया में 11 के अलावा, एक को इंडियाना में और एक को जॉर्जिया में पकड़ा गया - आज फेडरल कोर्ट में अपनी पहली पेशी पर आ सकते हैं. कनाडा में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, एक को स्पेन में गिरफ्तार किया गया, और सात आरोपी पहले से ही कस्टडी में थे. एजेंसियां ??10 भगोड़ों की तलाश कर रही हैं. सात अमेरिका में दो भारत में और एक यूरोप में. बिश्नोई पहले से ही भारत की जेल में है, जबकि उसका साथी गोल्डी बरार अभी भी फरार है. एफबीआई के लॉस एंजिल्स फील्ड ऑफिस के असिस्टेंट डायरेक्टर इन चार्ज पैट्रिक ग्रैंडी ने कहा, 'आज (मंगलवार) का कोऑर्डिनेटेड ऑपरेशन तीन क्रूर ट्रांसनेशनल संगठनों के केंद्र पर हमला करता है, जिन्होंने अमेरिका और विदेशों में हिंसा के क्रूर कामों के ज़रिए परिवारों को आतंकित किया है, समुदायों का शोषण किया है।

होर्मुज स्ट्रेट में तीन टैंकरों पर हमले, सऊदी और कतर के जहाजों को नुकसान

लंदन, एजेंसी। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने मंगलवार को बताया कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले तेल टैंकरों पर तीन अलग-अलग हमले हुए हैं। इन तीनों घटनाओं में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। पहली घटना की जानकारी यूकेएमटीओ को सोमवार रात 2119 यूटीसी पर मिली। इसमें बताया गया कि ओमान के लिमाह से करीब आठ समुद्री मील पूर्व में दक्षिण की ओर जा रहे एक टैंकर के बाईं तरफ एक अज्ञात वस्तु टकराई, जिससे उसमें आग लग गई। दूसरी घटना की जानकारी मंगलवार को दी गई। इसमें एक टैंकर को किसी अज्ञात वस्तु से नुकसान पहुंचने की बात कही गई और माना जा रहा है कि उसके ढांचे को नुकसान हुआ है। तीसरी और सबसे नई घटना की जानकारी यूकेएमटीओ को मंगलवार को 1305 यूटीसी पर मिली। इसमें बताया गया कि एक और टैंकर को ड्रोन से हमला किया गया, जिससे उसे हल्का ढांचागत नुकसान हुआ। यह जहाज अभी भी अपने अगले बंदरगाह की ओर जा रहा था। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों के अनुसार, तीन में से दो जहाजों की पहचान हो चुकी है। इनमें से एक सऊदी अरब के झंडे वाला कच्चे तेल का टैंकर है, जबकि दूसरा कतर का तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) टैंकर है। इससे पहले मंगलवार को ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने दो ऐसे टैंकरों को निशाना बनाया था, जो अमेरिका समर्थित ओमानी रास्ते से होर्मुज स्ट्रेट पार करने की कोशिश कर रहे थे। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी फार्स ने बताया कि इन जहाजों ने चेतावनी नहीं मानी थी। फार्स न्यूज एजेंसी ने स्वतंत्र सैन्य पर्यवेक्षक मेन्चोसिंट के 'एक्स' अकाउंट पर साझा की गई सैटेलाइट तस्वीरों का हवाला देते हुए कहा कि समुद्री यातायात की जानकारी से पता चला कि इन दो टैंकरों पर हमले के बाद जापान, भारत और पश्चिमी देशों के कई अन्य जहाजों ने अपना रास्ता बदल लिया और जलडमरूमध्य पार करने के लिए ईरान की ओर से बताए गए रास्ते का इस्तेमाल किया। मंगलवार को मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि कतर का एक एलएनजी टैंकर और सऊदी अरब का एक कच्चे तेल का टैंकर होर्मुज स्ट्रेट के पास आईआरजीसी की ओर से किए गए कथित मिसाइल हमलों में क्षतिग्रस्त हुए। कतर के जहाज की पहचान अल रेकय्यात के रूप में की गई है। रिपोर्टों के अनुसार, हमला होने के बाद इस जहाज ने मदद के लिए आपातकालीन संकेत भेजे। कतर ने मंगलवार को अल-रेकय्यात पर हुए हमले की निंदा की। कतर ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन और समुद्री यातायात तथा दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा बताया। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल अंसारी ने 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि कतर इस हमले और इससे होने वाले किसी भी नुकसान या परिणाम के लिए ईरान को पूरी तरह कानूनी रूप से जिम्मेदार मानता है।

पाकिस्तान के शारजाह से कराची जा रहा कार्गो विमान लापता, क्या समुद्र में गिरा बोइंग 737?

शारजाह , एजेंसी। पाकिस्तान में मंगलवार रात को शारजाह से कराजी जा रहे बोइंग 737 मालवाहक विमान का हवाई यातायात नियंत्रण से संपर्क टूट गया। विमान के पायलट ने पहले नेविगेशन सिस्टम में खराबी की जानकारी दी थी। इसके बाद पाकिस्तानी अधिकारियों ने तुरंत खोज और बचाव अभियान शुरू कर दिया। विमान में पांच चालक दल के सदस्य सवार थे।

पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी ने क्या बताया : पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी ने बताया कि के2 एयरवेज द्वारा संचालित 27 साल पुराने परिवर्तित मालवाहक विमान ने कराची की ओर उड़ान भरते समय पाकिस्तानी मानक समय के अनुसार रात 9:18 बजे नेविगेशन सिस्टम में खराबी की सूचना दी।

रडार सिस्टम में क्या दिखा : अधिकारियों के अनुसार, समस्या की सूचना मिलने के बाद स्थानीय हवाई यातायात नियंत्रकों ने विमान को निर्देशित करने का प्रयास किया। हालांकि, रडार सिस्टम ने लगभग तीन मिनट बाद विमान को तेजी से नीचे उतरते हुए दिखाया और विमान से संपर्क टूट गया। अधिकारियों ने बताया कि उस समय विमान कराची से लगभग 155 समुद्री मील (287 किमी) पश्चिम में था।

फ्लाइटराडार24 ने क्या बताया : पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी ने कहा है कि लापता विमान का पता लगाने के लिए उसने अलग-अलग एजेंसियों के माध्यम से समुद्र में एक समन्वित खोज और बचाव अभियान शुरू किया है। फ्लाइट ट्रैकिंग सेवा फ्लाइटराडार24 के अनुसार, प्रारंभिक उड़ान डेटा से संकेत मिलता है कि विमान कराची के दक्षिण-पश्चिम में समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया होगा। संभवत ऊंचाई में कई तीव्र परिवर्तनों के बाद और फिर अंतिम तेज अवरोहण के कारण।

विमान समुद्र तल से कितना ऊपर था : स्थानीय प्रसारक जियो न्यूज के अनुसार, विमान पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में ओरमारा के पास अरब सागर के ऊपर उड़ान भरते समय लापता हो गया। फ्लाइटराडार24 ने बताया कि उड़ान डेटा से पता चलता है कि विमान ने पहले ऊंचाई खोई, फिर थोड़ी देर के लिए ऊपर चढ़ा और उसके बाद अचानक और तेजी से नीचे गिरने लगा। सेवा ने आगे बताया कि आखिरी डेटा के अनुसार विमान समुद्र तल से 1,100 फीट ऊपर था। उसकी ऊर्ध्वाधर गिरावट की दर माइनस 22,400 फीट प्रति मिनट थी, जो कि एक अत्यंत तीव्र और असामान्य गिरावट दर है।

क्या है बोइंग 737 : लापता विमान बोइंग 737-400 था। यह निजी मालवाहक एयरलाइन के2 एयरवेज का एकमात्र विमान था। एयरलाइन ने इस विमान को 2024 में सेवा में शामिल किया था। फ्लाइटराडार24 के अनुसार, यह विमान मूल रूप से 1999 में रूस की एयरोफ्लोट के साथ एक यात्री जेट के रूप में सेवा में आया था, जिसे 2012 में एक मालवाहक विमान में परिवर्तित कर दिया गया था।

श्रीलंका की जेल में ड्रग माफिया का खूनी खेल, दो गुटों के संघर्ष में 26 लोगों की दर्दनाक मौत

कोलंबो , एजेंसी। कोलंबो के पास स्थित जेल में हुई यह घातक झड़प श्रीलंका की जेल व्यवस्था में व्याप्त गहरी समस्याओं, जैसे क्षमता से अधिक कैदी और सुरक्षा चूक, को उजागर करती है। 26 मौतों के बाद, अब सरकार पर जेलों में अवैध गतिविधियों को रोकने और सुरक्षा सुधारों को लागू करने का दबाव बढ़ गया है।

श्रीलंका की राजधानी कोलंबो के करीब स्थित नेगोम्बो जेल में हुई हिंसक झड़प ने पूरे देश को झकझोर दिया हैं। जेल के भीतर दो गुटों के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते बड़े संघर्ष में बदल गया, जिसमें कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई, जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मृतकों में जेल के कर्मचारी और कैदी दोनों शामिल हैं। मौजूद जानकारी के अनसार यह हिंसा रविवार को शुरू हुई थी और सोमवार तक जारी रही। हालात बिगड़ने के बाद सुरक्षा बलों को जेल परिसर में अतिरिक्त तैनाती करनी पड़ी। कई घंटों की कोशिशों के बाद स्थिति पर काबू पाया गया और अब जेल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई।

श्रीलंका के न्याय मंत्री हर्षणा नानायक्कारा ने इस घटना की जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए कहा कि जेल विभाग उनके मंत्रालय के अधीन आता है, इसलिए वह इस घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हैं। उन्होंने बताया कि इस हिंसा में सात जेल अधिकारियों और 19 कैदियों की मौत हुई हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और आगे ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। बता दें कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जेल के भीतर कथित तौर पर नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े एक समूह और उसका विरोध करने वाले दूसरे समूह के बीच विवाद हुआ था। इसी विवाद ने बाद में हिंसक रूप ले लिया। हालांकि जांच एजेंसियां अभी सभी पहलुओं की विस्तार से जांच कर रही हैं और अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे। गौरतलब है कि श्रीलंका की कई जेलों में पिछले कुछ वर्षों से क्षमता से अधिक कैदियों की मौजूदगी, सुरक्षा व्यवस्था की चुनौतियां और जेल के भीतर अवैध गतिविधियों को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। मानवाधिकार संगठनों ने भी कई बार जेलों में सुधार और निगरानी व्यवस्था मजबूत करने की मांग की हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जेल के भीतर संगठित अवैध गतिविधियां सक्रिय रहती हैं, तो इस तरह के टकराव की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे मामलों में सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ जेल प्रशासन की निगरानी और खुफिया तंत्र को भी अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत मानी जाती है। घटना में घायल हुए 100 से अधिक लोगों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. जहां उनका इलाज चल रहा हैं। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। श्रीलंका सरकार ने पूरे मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी जांच की जाएगी कि जेल के भीतर कथित अवैध गतिविधियां किस प्रकार संचालित हो रही थीं और सुरक्षा व्यवस्था में कहां चूक हुई है। इस घटना के बाद श्रीलंका की जेल व्यवस्था एक बार फिर चर्चा में आ गई है। सरकार पर अब सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, जेलों में भीड़ कम करने और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने का दबाव बढ गया है।

सेहत और सौन्दर्य का रक्षक भुट्टा

भुट्टा जिसे कॉर्न या मकई सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. कई खतरनाक रोगों से रक्षा तो करता ही है सौन्दर्य को भी बरकरार रखता है. भुट्टा जिसे कॉर्न और मकई भी कहा जाता है, का प्रयोग तरह-तरह के व्यंजन बनाने में किया जाता है. यह ऐसा अनाज है जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है. मकई का आटा कोलोन कैंसर के खतरे को कम करता है.

दुरुस्त करता पाचन

कॉर्न में फाइबर यानी भरपूर रेशे होते हैं. ये रेशे भोजन को पचाने के लिए जरूरी हैं. यह कब्ज और पेट में होने वाले कैंसर की आशंका को कम करता है.

प्रचुर मात्रा में खनिज

कॉर्न के दानों में भरपूर मिनरल्स पाये जाते हैं. इसमें आयरन, मैग्नीशियम और कॉपर के अलावा फॉस्फोरस भी पाया जाता है. ये तत्व हड्डियों के लिए जरूरी है. इन तत्वों से हड्डियां मजबूत होती हैं. इसका सेवन किडनी को भी मजबूत करता है.

त्वचा को बनाता है चमकदार

कॉर्न लंबे समय तक त्वचा को कांतिमय रखने में मददगार होता है. एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुरता के अलावा इसके तेल में लिनोलिक एसिड होता है.

एनीमिया से करता है बचाव

मक्के में आयरन होता है. आयरन की कमी से एनीमिया हो जाता है और इसके कारण लाल रक्त कणों की संख्या घट जाती है. मक्के में विटामिन-बी और फोलिक एसिड मौजूद होते हैं जो एनीमिया होने से बचाव करते हैं.

कंट्रोल करता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल ऐसा पदार्थ है, जो बढ़ने पर नुकसाद पहुंचाता है. कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार के होते हैं गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) और बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल).

कोलेस्ट्रॉल में फैटी फूड आते हैं जो हमारे दिल को कमजोर बनाते हैं. स्वीट कॉर्न में विटामिन-सी होते हैं जो हमारे दिल को स्वस्थ रखते और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं. कॉर्न में प्रचुर मात्रा में फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कैंसर होने के कारणों को रोकते हैं. कॉर्न में विटामिन-बी भी होता है जो तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में मददगार हैं. कॉर्न उन डायबिटीज पीड़ितों के लिए जरूरी है, जो इंसुलिन नहीं लेते. कॉर्न उनके डायबिटीज को कंट्रोल करते हैं. मकई में मौजूद कैरोटेनोइड आंखों की ज्योति बढ़ाने के साथ ही विटामिन ए भी उपलब्ध कराता है. मकई के दानों यानी भुट्टों को पकाकर भी खाया जाता है. इससे जहां दांतों की बेहतर एक्सरसाइज होती है, वहीं यह पेट को ठीक करता है.

सौंदर्य का साथी

कई तरह के कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स बनाने में कॉर्न स्टार्च का प्रयोग किया जाता है. साथ ही, इसका प्रयोग त्वचा की जलन और रैशेस को कम करने के लिए भी किया जाता है. कैंसरकारी पेट्रोलियम उत्पाद जो कि कई तरह के कॉस्मेटिक्स को बनाने के लिए प्रयोग किया जाता रहा है अब इनके स्थान पर कॉर्न के उत्पाद का प्रयोग किया जाने लगा है.

सावधान कैल्शियम की कमी खतरनाक

हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. इसकी कमी ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन जाता है. सभी जानते हैं कि मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. कैल्शियम कोलोन (मलाशय) से विषैली चीजों को बाहर निकालने में मदद करने के साथ ही यह हमारी तंत्रिका तंत्र के लिए भी जरूरी है. अगर किसी कारण में शरीर में कैल्शियम की कमी हो जाती है तो यह ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बनता है. एक नये अध्ययन के अनुसार, इस आवश्यक मिनरल की कम मात्रा लेने से आपको हाइपर पैराथायराइडिज्म (पीएचपीटी) जो एक तरह की हार्मोनल कंडीशन है, हो सकती है. अगर समय रहते इसका इलाज न किया गया तो आपकी हड्डियों का कैल्शियम सूख सकता है. हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के इस अध्ययन में पाया गया कि जो महिलाएं फल और सप्लीमेंट्स के जरिये ज्यादा कैल्शियम ग्रहण करती हैं उनमें पीएचपीटी, जो पैराथायराइड हार्मोन के अनियंत्रित रिसाव का कारण होता है, होने का खतरा कम हो जाता है. आप अपने भोजन और दूसरी सामग्री में कैल्शियम की मात्रा को थोड़ी सावधानी से बढ़ा सकते हैं

सॉफ्ट ड्रिंक कम – अत्यधिक मात्रा में फास्फोरस के कारण सॉफ्ट ड्रिंक्स शरीर के कैल्शियम ग्रहण करने की क्षमता में बाधा डालता है. साथ ही, पिज्जा, चिप्स या दूसरे सॉल्टी फूड्स के साथ सॉफ्ट ड्रिंक के सेवन से भी कैल्शियम अवशोषण में बाधा पहुंचती है क्योंकि इससे बढ़ा हुआ कैल्शियम यूरिन के जरिये नष्ट हो जाता है. साग-सब्जी का सेवन ब्रोकली, सलाद पत्ता, पत्ता गोभी और दूसरी पत्ते दार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं लेकिन समस्या यह है कि हरी सब्जियों में पाया जाने वाला कैल्शियम डायट्री उत्पाद की तुलना में शरीर में आसानी से अवशोषित नहीं हो पाता क्योंकि इनमें केमिकल लगा होता है. हालांकि यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है कि आप अपनी डाइट में ज्यादा कैल्शियम नॉन डेयरी प्रोडक्ट्स से पाते हैं. इसके लिए आप कैल्शियम से भरपूर कॉम्बीनेशन जैसे पालक या सलाद पत्ता को तिल या बीन्स (जो कैल्शियम का बेहतर स्रोत है) और चीज के साथ ले सकते हैं. विटामिन-डी भी जरूरी हड्डियों की सेहत के लिए विटामिन-डी बेहद जरूरी है और इसका कैल्शियम के साथ सह-क्रियाशीलता का संबंध है.

धूप- विशेषज्ञों के अनुसार, सर्दियों के दौरान विटामिन-डी की कमी के कारण हम 2 से 4 प्रतिशत बोन डेन्सिटी खो देते हैं. इस बात का विरोध करते हुए कई एक्सपर्ट्स अब इस बात की सलाह देते हैं कि दिनभर में 15 मिनट धूप में बिताने से हमारे शरीर को विटामिन-डी को प्राकृतिक रूप से बनाने में मदद मिलती है.

कॉफी कम – कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से कैल्शियम उत्सर्जन की दर बढ़ने के कारण हड्डियां कमजोर हो सकती हैं. इसलिए इस खतरे से बचने के लिए दिनभर में केवल दो कप कॉफी पियें. उच्च प्रोटीन से सावधान- जिनकी डाइट में एनीमल प्रोटीन ज्यादा होता है, वास्तव में उनकी हड्डियों से कैल्शियम का क्षरण होने लगता है. ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्रोटीन ऐसे तत्वों को तोड़ता है जो एसिडिक होते हैं और हमारे शरीर में मौजूद कैल्शियम उन्हें जमा करता जाता है. अगर आप अत्यधिक रेड मीट और अंडे का सेवन करते हैं तो आपको ज्यादा मात्रा में कैल्शियम लेने की जरूरत है.

मधुमेह से बचना है तो जी भर कर सोएं

अगर आप भरपूर नींद लेते हैं तो आप में टाइप-2 मधुमेह होने का जोखिम काफी कम हो जाता है. यह एक नये अध्ययन में दावा किया गया है. लास ऐंजिलिस बायोमेडिकल रिसर्च इस्टीट्यूट के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताहांत में तीन रात की अच्छी नींद काफी हद तक इंसुलिन की सक्रियता बढा देती जिसके न बनने और शरीर पर उसकी प्रतिक्रिया नहीं होने से यह बीमारी होती. प्रमुख अनुसंधानकर्ता डा. पीटर लिउ ने बताया कि हम सभी जानते हैं कि पर्याप्त नींद जरूरी है लेकिन अधिक काम की वजह से समय नहीं निकाल पाते. हमारे अध्ययन में पाया गया कि नींद के घंटे बढा देने से शरीर के इंसुलिन का इस्तेमाल करने की क्षमता बढती है और प्रौढ व्यक्तियों में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम कम हो जाता है. इंसुलिन किसी व्यक्ति के रक्त में शर्करा के स्तर को नियमित करने के लिये जिम्मेदार है. टाइप-2 मधुमेह के मरीज का शरीर उससे निकलने वाले इंसुलिन का कारगर ढंग से इस्तेमाल नहीं करता और इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करता. लिउ ने कहा कि अच्छी खबर है कि प्रौढ व्यक्ति जो अधिक काम की वजह से पर्याप्त नहीं सो पाते हैं वे अगर सोने के घंटे बढा दें तो यह जोखिम कम हो सकता है.

थायराइड से सबसे ज्यादा पीड़ित महिलाएं

थायराइड की बीमारी तेजी से बढ़ रही है. आंकड़ों की बात करें तो सवा चार करोड़ लोग देश में थायराइड की बीमारी से पीड़ित हैं. इनमें 80 प्रतिशत महिलाएं हैं. आश्चर्य की बात है कि 8-10 प्रतिशत मरीजों की पहचान हो सकी है. थायराइड बीमारी तीन प्रकार की होती है. थायराइड ग्रंथि से हार्मोन बनना बंद या कम हो जाय तो इसे हाइपोथायराइडिज्म कहते हैं जबकि थायराइड हार्मोन की मात्रा अधिक बनने लगती है तो उसे हाइपरथायराइडिज्म कहते हैं. जबकि तीसरी बीमारी घेंघा है. हाइपोथायराइडिज्म के मरीजों की संख्या सबसे अधिक होती है.

क्या है थायराइड?

थायराइड एक इंडोक्राइन ग्रंथि होती है जो गर्दन के निचले हिस्से में एडमस एप्पल के ठीक नीचे होती है. इसका काम थायरोक्सिन हार्मोन बनाकर खून तक पहुंचाना है जिससे शरीर का मेटाबोलिज्म नियंत्रित रहे. शरीर में थायराइड हार्मोन की मात्रा कम हो जाय तो सुस्ती औरअधिक होने पर शारीरिक क्रियाएं तेज हो जाती हैं. थायराइड ग्रंथि का पिटयूटरी ग्रंथि से नियंत्रण होता है जबकि पिटयूटरी ग्रंथि हाइपोथेलमस से नियंत्रित होती है. हाइपोथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर बढ़ जाता है और टी3 व टी4 की मात्रा कम हो जाती है. हाइपरथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर घट और टी3 व टी4 की मात्रा बढ़ जाती है.

हाइपोथायराइडिज्म

लक्षण – हमेशा थकान महसूस होना. बिना कारण वजन बढ़ना. डिप्रेशन या अवसाद होना. हमेशा ठंड लगना. पेट में कब्ज बना रहना. अजीब तरह का दर्द महसूस होना. मासिक स्राव का अधिक होना. एकाग्रता की कमी होना. त्वचा और बाल रुखे हो जाना.

कारण – आयोडिन की कमी (एंडेमिक गोवाएटर) हशीमो टो थायरोडायटिस. सर्जरी या रेडियो आयोडिन थैरेपी के बाद. कुछ प्रकार की दवाइयों का सेवन.

हाइपरथायराइडिज्म

लक्षण – घबराहट या चिड़चिड़ा महसूस करना. अनियमित हृदय का धड़कना. गर्मी सहन न होना. हाथ में कंपन होना. अधिक पसीना आना. बिना कारण वजन कम होना. नींद न आना. थायराइड ग्रंथि का बढ़ना (घेंघा). मासिक स्राव का कम होना. प्रजनन शक्ति क्षीण होना.

कारण – ग्रेव डिजीज. टॉक्सिक मल्टी नोडल गोवाएटर. टॉक्सिक एडिनोमा. अधिक मात्रा में हार्मोन की गोली का सेवन.

इलाज – थायराइड की बीमारियों का इलाज बीमारी के प्रकार पर निर्भर करता है. हाइपोथायराइडिज्म में मरीज का इलाज सप्लीमेंट्री थैरेपी से किया जाता है. इसमें थायराइड के हार्मोन (थायरोक्सिन हार्मोन) बाहर से दिया जाता है. हाइपरथायराइडिज्म का इलाज तीन विधि से किया जाता है. पहली विधि में एंटी थायराइड ड्रग्स दी जाती है. दूसरी विधि में रेडियो एक्टिव आयोडिन से ग्रंथि को नियंत्रित किया जाता है जिसे रेडियो आयोडिन थैरेपी कहते हैं. तीसरी विधि में सर्जरी करके इलाज किया जाता है. वहीं घेंघा का एक मात्र इलाज ऑपरेशन होता है. बचाव थायराइड की बीमारी से बचाव के लिए अभी तक डॉक्टर आयोडिन युक्त नमक के सेवन की सलाह देते हैं जिससे शरीर में आयोडिन की मात्रा संतुलित रहे, थायराइड की बीमारियां न हो.

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने से होता है घेंघा

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने को ही घेंघा कहते हैं. इसमें थायराइड ग्रंथि बढ़कर गले के सामने की ओर गांठ के रूप में दिखाई देने लगती है. इसमें दर्द नहीं होता है. घेंघा के बढ़ने से सांस की नली, खाने की नली और आवाज की नस पर दबाव पड़ता है. घेंघा छाती के अंदर भी जा सकता है. घेंघा के बारे में लोगों की सोच होती है कि इससे शरीर पर कोई नुकसान नहीं होता है लेकिन कई बार देखा गया है घेंघा कैंसर में बदल जाता है. मरीज की जान पर बन आती है. थायराइड ग्रंथि में कई प्रकार के कैंसर होते हैं. इनमें पेपीलेरी थायराइड कैंसर, फोलीक्यू लर थायराइड कैंसर, मे डयूले री थायराइड कैंसर और अनॉप्लास्टिक थायराइड कैंसर शामिल है.

घेंघा में थायराइड कैंसर के लक्षण

अचानक कम उम्र में घेंघा का होना. पुराना घेंघा का अचानक से बढ़ना. घेंघा के साथ खाना निगलने में परेशानी होना. घेंघा होने पर सूखी खांसी के साथ खून आना. घेंघा के साथ गले के बगल में गांठ का बनना. घेंघा के साथ आवाज में परिवर्तन या भारी पड़ना.

संक्षिप्त समाचार

भटवाड़ी ब्लॉक की 85 ग्राम पंचायतों में उपप्रधान का चुनाव 15 को

उत्तरकाशी। विकासखंड भटवाड़ी की 85 ग्राम पंचायतों में रिक्त उपप्रधान पदों के लिए 15 जुलाई को चुनाव कराया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत निर्वाचन की पूरी समय–सारिणी जारी कर दी गई है। चुनाव प्रक्रिया एक ही दिन में नामांकन से लेकर मतगणना और परिणाम घोषणा तक पूरी की जाएगी। जारी कार्यक्रम के अनुसार 15 जुलाई को सुबह 10 से 11 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। सुबह 11 से 12 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच होगी, जबकि दोपहर 12 से 12:30 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। इसके बाद 12:30 से 1 बजे तक चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। आवश्यकता पड़ने पर दोपहर 1:30 से 3:30 बजे तक मतदान होगा और शाम 4 बजे से मतगणना शुरू कर परिणाम घोषित किए जाएंगे। नोडल अधिकारी (उपप्रधान निर्वाचन) प्रकाश पंवार ने बताया कि नामांकन, जांच, नाम वापसी, चुनाव चिन्ह आवंटन, मतदान और मतगणना सहित सभी प्रक्रियाएं संबंधित ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर संपन्न कराई जाएंगी। नामांकन पत्रों की बिक्री 8 से 14 जुलाई तक क्षेत्र पंचायत मुख्यालय में प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। वहीं 15 जुलाई को सुबह 8 से 9:30 बजे तक संबंधित ग्राम पंचायत में निर्धारित स्थल पर नामांकन पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे।

स्यानाचट्टी में नए बैली ब्रिज का काम अंतिम चरण में

बड़कोट। यमुनोत्री हाईवे पर स्यानाचट्टी में निर्माणाधीन 45 मीटर स्पान वाले बैली ब्रिज का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। मौसम के अनुकूल रहने पर इसे आगामी सोमवार से वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया जाएगा। करीब 1.25 करोड़ की लागत से तैयार यह पुल मानसून के दौरान हाईवे को सुरक्षित बनाए रखने में अहम भूमिका निभाएगा। पिछले वर्ष भारी बारिश के दौरान यमुना नदी का प्रवाह बाधित होने से स्यानाचट्टी में अस्थायी झील बन गई थी। इससे हाईवे पर स्थित पुराना मोटर पुल पूरी तरह जलमग्न हो गया था और यमुनोत्री मार्ग कई दिनों तक प्रभावित रहा। यात्रियों और स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। इसी समस्या के स्थायी समाधान के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने पुराने पुल के समीप यमुना नदी पर 45 मीटर स्पान का बैली ब्रिज बनाने का कार्य शुरू कराया था। अब पुल का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है और अंतिम तकनीकी कार्य किए जा रहे हैं। एनएच के अधिशासी अभियंता मनोज रावत ने बताया कि बैली ब्रिज निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है। यदि मौसम ने साथ दिया तो सोमवार तक पुल को यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। इससे मानसून के दौरान यमुनोत्री हाईवे पर आवागमन अधिक सुरक्षित और सुचारु रहने की उम्मीद है।

नौरी ग्राम प्रधान चुनाव पर लगी कानूनी मुहर

पुरोला। तहसील पुरोला की ग्राम पंचायत नौरी के ग्राम प्रधान चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका को विहित प्राधिकारी एवं उपजिला मजिस्ट्रेट पुरोला ने खारिज कर दिया है। अदालत ने साफ किया कि याचिकाकर्ता निर्वाचित प्रधान मंजू चौहान के खिलाफ लगाए गए आरोपों को साबित करने में असफल रहे। इसके साथ ही ग्राम प्रधान का निर्वाचन वैध एवं यथावत बरकरार रखा गया है। याचिका में आरोप लगाया गया कि निर्वाचित प्रधान का नाम एक से अधिक स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज था जिससे उनका निर्वाचन निरस्त किया जाना चाहिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अभिलेखों के परीक्षण से यह स्पष्ट हुआ कि निर्वाचन अधिसूचना जारी होने से पहले ही मंजू चौहान ने नगर निगम देहरादून की मतदाता सूची से अपना नाम हटाने के लिए आवेदन कर दिया था। विलोपन सूची और अन्य अभिलेखों के आधार पर यह भी पाया गया कि याचिकाकर्ता अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सके। इसी आधार पर न्यायालय ने याचिका को साक्ष्यों के अभाव में निरस्त कर दिया। फैसले के बाद ग्राम प्रधान मंजू चौहान ने इसे सत्य और न्याय की जीत बताते हुए कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा विश्वास था। उन्होंने कहा कि अब उनकी प्राथमिकता ग्राम पंचायत में विकास कार्यों को और तेज़ी से आगे बढ़ाना है।

मशरूम खाने से बीमार दो लोगों की हालत गंभीर

अल्मोड़ा ,जिले के धौलादेवी विकासखंड के मल्ला गैराड़ में मशरूम खाने से बीमार एक ही परिवार के चार लोगों का बेस अस्पताल में उपचार चल रहा है। एक को आईसीयू से वार्ड में शिफ्ट किया गया है। जबकि दो की हालत गंभीर बनी हुई है।

दरअसल बीते मंगलवार को मल्ला गैराड़ में जंगली मशरूम खाने से एक ही परिवार के भागीरथी (55), ममता (32), प्रीति (24), कार्तिक (4) की तबीयत बिगड़ गई। मल्ला गैराड़ के पूर्व प्रधान राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि चारों ने जंगली मशरूम की सब्जी खाई थी। कुछ ही देर बाद चारों को उल्टी होने के साथ ही घबराहट होने लगी। तबियत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धौलादेवी पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर मेडिकल कॉलेज के अधीन संचालित बेस अस्पताल रेफर किया गया। बुधवार को सभी अस्पताल में ही भर्ती थे। अस्पताल से मिली जानकारी के मुताबिक भागीरथी और ममता की हालत गंभीर बनी हुई है। कार्तिक की हालत में थोड़ा सुधार हुआ है।

भनेरपाणी में दलदल बना मलबा

पीपलकोटी। चमोली जिले में रुक–रुककर हो रही बारिश के कारण बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन क्षेत्र भनेरपाणी में आवाजाही चुनौतीपूर्ण हो गई है। बारिश के कारण हाईवे पर कीचड़ और फिसलन बढ़ गई है। यहां से गुजरने वाले वाहनों को सावधानी बरतनी पड़ रही है। विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों और छोटे वाहनों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हाईवे पर यात्रा कर रहे तीर्थयात्रियों और स्थानीय लोगों को कोई परेशानी न हो इसके लिए पुलिस कर्मियों की निगरानी में वाहनों की आवाजाही करवाई जा रही है। पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट ने बताया कि भनेरपाणी में भूस्खलन क्षेत्र के दोनों ओर पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है।

निजमुला घाटी के मोली हडुंग गांव में सड़क न संचार की सुविधा

पीपलकोटी। निजमुला घाटी के सुदूरवर्ती मोली हडुंग गांव के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर गांव को सड़क और संचार सेवा से जोड़ने की मांग उठाई है। कहा कि सड़क सुविधा न होने से ग्रामीण आज भी करीब छह किलोमीटर की पैदल दूरी नापने को मजबूर हैं। संचार सेवा का लाभ लेने के लिए उन्हें लगभग एक किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। ग्राम प्रधान भगत सिंह फरस्वाण ने कहा कि गांव में करीब 80 परिवार निवास करते हैं।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा योग नगरी ऋषिकेश एवं हरिद्वार रेलवे स्टेशनों पर पेय एंड यूज तथा हापुड़ एवं डोईवाला रेलवे स्टेशनों पर पार्किंग के कार्य IREPS के माध्यम से ठेके पर देने हेतु ई–बोलियाँ www.ireps.gov.in पर दिनांक 30.07.2026 को आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

2370/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो : धामी

मुख्यमंत्री ने ऋण-जमा अनुपात बढ़ाने के लिए नियमित शिविर लगाने के दिए निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सचिवालय में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की 97वीं बैठक में बैंकिंग सेवाओं, ऋण वितरण, वित्तीय समावेशन तथा विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के आर्थिक विकास में बैंकिंग क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बैंकों से आम लोगों, किसानों, युवाओं, महिलाओं और उद्यमियों तक ऋण की पहुंच आसान बनाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने राज्य में ऋण-जमा अनुपात बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने बागेश्वर, पौड़ी, अल्मोड़ा, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ और टिहरी जनपदों में कम ऋण-जमा अनुपात पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि इन जिलों में नियमित रूप शिविर लगाए जाएं। जिला प्रशासन, लीड बैंक और संबंधित विभाग मिलकर पात्र लोगों की पहचान करें और उन्हें समय पर ऋण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य का ऋण-जमा अनुपात आगामी राष्ट्रीय औसत तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने में किसी भी पात्र व्यक्ति को परेशानी नहीं होनी चाहिए। यदि किसी आवेदन में कोई कमी हो तो उसे केवल तकनीकी आधार पर निरस्त करने के बजाय संबंधित व्यक्ति का मार्ग दर्शन कर कमियों को दूर कराया जाए। उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने में बैंक सक्रिय भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में वार्षिक ऋण योजना के अंतर्गत लगभग 96 प्रतिशत उपलब्धि और एमएसएमई क्षेत्र में 111 प्रतिशत उपलब्धि राज्य की बेहतर आर्थिक प्रगति का संकेत है। राज्य का ऋण-जमा अनुपात बढ़ना भी सकारात्मक है, लेकिन इसे और बेहतर बनाने के लिए सभी बैंकों को मिलकर प्रयास करने होंगे। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना-2.0, वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली स्वरोजगार योजना, होम-स्टे योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना तथा किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं में पात्र लोगों को प्राथमिकता के आधार पर ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषि, बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन, पर्यटन और स्थानीय उत्पादों पर आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए बैंकिंग सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल बैंकिंग और डिजिटल भुगतान को गांव-गांव तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने वित्तीय समावेशन को और मजबूत बनाने तथा प्रधानमंत्री जनधन योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित उत्तराखण्ड के निर्माण में बैंकिंग क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है।

सरकार और बैंक मिलकर कार्य करेंगे तो रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता को नई गति मिलेगी तथा राज्य का समग्र विकास और तेजी से होगा। इस अवसर पर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, डॉ. आर. मीनाक्षी सुन्दरम, सचिव दिलीप जावलकर, नितेश झा, डॉ. बी.वी. आर. सी पुरुषोत्तम, विनय शंकर पाण्डेय, एस.एन. पाण्डेय, श्रीधर बाबू अदांकी, धीराज गर्ब्याल, क्षेत्रीय निदेशक भारतीय रिजर्व बैंक अरविन्द कुमार, मुख्य महाप्रबंधक हर्ष कुमार गौतम, महा प्रबंधक नाबार्ड पंकज यादव, अध्यक्ष इन्डस्ट्रीज एसोसियेशन ऑफ उत्तराखंड पंकज गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक नई दिल्ली प्रभास बोस, महाप्रबंधक शैलेश कुमार, उप महाप्रबन्धक एसबीआई देहरादून राजीव रंजन, उप महाप्रबन्धक एसबीआई हल्द्वानी राजीव रंजन रतन, सहायक महाप्रबन्धक, एस.एल.बी.सी. उत्तराखंड शैलेन्द्र कुमार उनियाल एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

भारी बारिश का कहर: स्याना चट्टी के पास यमुनोत्री हाईवे 100 मीटर बहा

उत्तरकाशी। यमुनोत्री घाटी में लगातार हो रही बारिश ने स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं की परेशानी बढ़ा दी है। यमुनोत्री हाईवे पर स्याना चट्टी के पास हाईवे का करीब 100 मीटर हिस्सा वॉश आउट हो गया। इससे और परेशानी बढ़ गई है। ईई एनएच मनोज रावत का कहना है कि 100 मीटर हाईवे धंसने से करीब एक किमी सड़क प्रभावित हुई है। लगातार बारिश और मलबा व पत्थरों के आने के कारण हाईवे खोलने में दिक्कत आ रही है। लगातार बारिश और भूस्खलन के कारण गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे पर यातायात बाधित होने का सिलसिला जारी है। बृहस्पतिवार को सुबह ही गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे जगह–जगह मलबा आने से आवाजाही के लिए घंटों बाधित रहे। गंगोत्री हाईवे नगुण के पास दिनभर आवाजाही ठप रही। हालांकि शाम को आवाजाही सुचारू हो गई है। वहीं, स्यानाचट्टी में दोपहर बाद फिर से भारी चट्टानी बोल्डर गिरने के कारण आवाजाही बंद है। गंगोत्री राजमार्ग पर सुबह नालूपानी और नगुण के समीप पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा आने के कारण यातायात पूरी तरह ठप हो गया।

सूचना मिलते ही सड़क खोलने के लिए मशीनें मौके पर पहुंचीं और मलबा हटाने का कार्य शुरू किया गया। नालूपानी में करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद मार्ग पर वाहनों की आवाजाही शुरू कराई गई लेकिन दोपहर में एक बार फिर भूस्खलन होने से सड़क बंद हो गई। लगभग तीन घंटे तक चले राहत एवं सफाई कार्य के बाद यहां यातायात फिर से बहाल किया जा सका। वहीं नगुण में देर शाम को आवाजाही सुचारू कर दी गई है। तहसीलदार धीरेंद्र कुमाईं ने बताया कि नगुण के पास लगातार पहाड़ी से मलबा और पत्थर गिरने के कारण सड़क खोलने में दिक्कत आ रही है। सड़क बंद रहने का असर आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर भी पड़ा।

चढ़ावे में हेराफेरी के आरोपी का पूरा चिट्ठा खंगालने में जुटी पुलिस

गोपेश्वर। बदरीनाथ मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मामले में बदरीनाथ थाने में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद चमोली पुलिस अब आरोपी कर्मचारी का पूरा चिट्ठा खंगालने में जुट गई है। मामले की विवेचना के लिए एसआईटी गठित की गई है।

पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट के पर्यवेक्षण में गठित टीम में बदरीनाथ थानाध्यक्ष निरीक्षक महादेव उनियाल को विवेचना अधिकारी बनाया गया है। टीम में एसएसआई प्रकाश बिष्ट, लंगासू चौकी प्रभारी एसआई दिनेश पंवार तथा एसओजी के दो कर्मियों को भी शामिल किया गया है। जांच टीम बदरीनाथ में मामले से जुड़े सभी साक्ष्य जुटाने में लगी है। आरोपी कर्मचारी की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), ईमेल और बैंक खातों की जानकारी खंगाली जा रही है। इसके साथ ही मंदिर परिसर और संबंधित स्थानों के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की भी जांच की जा रही है। ताकि घटना से जुड़े तथ्यों की पुष्टि हो सके। पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट ने बताया कि मामले की विवेचना के लिए एसआईटी गठित की गई है। टीम को हर पहलू से जांच के निर्देश दिए गए हैं। टीम तकनीकी और दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर यह पता लगाएगी कि चढ़ावे में हेराफेरी कैसे और किन परिस्थितियों में की गई। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एसआईटी विवेचना ने समिति से मांगे जवाब

बदरीनाथ। बदरीनाथ मंदिर में दान चढ़ावे के आरोप में दर्ज प्राथमिकी के बाद पुलिस ने विवेचना के लिए एसआईटी का गठन किया है। इस एसआईटी विवेचना ने बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति से कुछ सवालों के जवाब मांगे हैं।

सुगम हुई बदरीनाथ की यात्रा, लामबगड़ नाला पर बना मोटर पुल

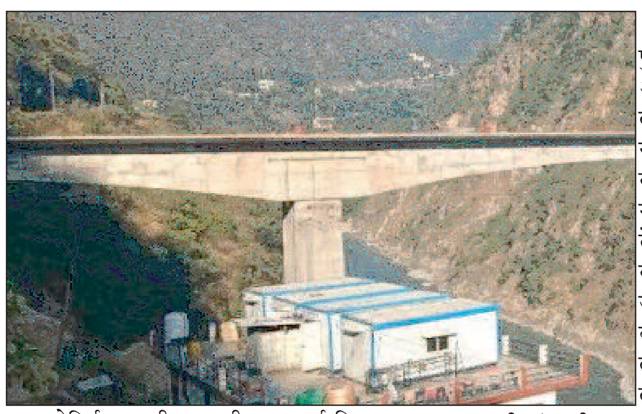

ज्योतिर्मठ। बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित लामबगड़ नाला में अब भारी बारिश के दौरान भी तीर्थयात्रियों और स्थानीय लोगों की आवाजाही बंद नहीं होगी। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की ओर से निर्माणाधीन मोटर पुल का कार्य पूरा कर लिया गया है और पुल से वाहनों की आवाजाही भी शुरू कर दी गई है। पुल का विधिवत उद्घाटन 15 अगस्त को होगा।

बीआरओ पिछले दो वर्षों से इस पुल के निर्माण कार्य में जुटा हुआ था। अधिकारियों के अनुसार पुल की लंबाई करीब 70 मीटर है। बदरीनाथ यात्रा मार्ग पर स्थित लामबगड़ नाला बरसात के समय सबसे संवेदनशील स्थलों में से एक माना जाता रहा है। तेज बारिश के दौरान नाले में पानी का बहाव बढ़ने से वाहनों की आवाजाही जोखिमपूर्ण हो जाती थी जिससे यात्रा कई बार प्रभावित होती थी। स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों की ओर से लंबे समय से यहां स्थायी पुल निर्माण की मांग की जा रही थी। पुल बनने के बाद अब यात्रियों की आवाजाही सुगम हो जाएगी। साथ ही बारिश के दौरान यात्रा बाधित होने की आशंका भी कम हो जाएगी। बीआरओ के अधिकारियों ने बताया कि पुल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और यातायात शुरू करा दिया गया है। पुल का विधिवत उद्घाटन 15 अगस्त को दिल्ली से वर्चुअली किया जाएगा।

मानसून की दस्तक के साथ सुस्त पड़ी गंगोत्री—यमुनोत्री यात्रा

चमोली। मानसून सीजन की शुरुआत के साथ ही गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा की रफ्तार धीमी पड़ गई है। पीक सीजन में जहां दोनों धामों में प्रतिदिन 15 से 20 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे थे वहीं अब यात्रियों की संख्या घटकर महज एक से डेढ़ हजार प्रतिदिन रह गई है। वर्तमान में दोनों धामों की यात्रा लगभग न के बराबर चल रही है। इस वर्ष चारधाम यात्रा का शुभारंभ 19 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ हुआ था। शुरुआती दौर में दोनों धामों में श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड भीड़ उमड़ी। हालांकि जून से यात्रियों की संख्या में लगातार गिरावट आने लगी। पीक सीजन में प्रतिदिन 15 से 20 हजार श्रद्धालुओं के मुकाबले जून में यह आंकड़ा घटकर पांच से सात हजार प्रतिदिन रह गया। जुलाई में मानसून की सक्रियता बढ़ने के साथ यात्रा पर और अधिक असर पड़ा है। वर्तमान में दोनों धामों में प्रतिदिन केवल एक से डेढ़ हजार श्रद्धालु ही पहुंच रहे हैं। इसके चलते यात्रा पूरी तरह सुस्त पड़ गई है और प्रमुख यात्रा पड़ावों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। बरसात के दौरान लगातार भूस्खलन और सड़कों के बाधित रहने से श्रद्धालुओं को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

चारधाम यात्रा का दबाव कम हो गया

वहीं, अब कांवड़ यात्रा सीजन नजदीक आने के कारण भी चारधाम यात्रा का दबाव कम हो गया है। कुल मिलाकर इस वर्ष मानसून की शुरुआत के साथ ही गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा की रफ्तार काफी धीमी पड़ गई है। हालांकि अभी तक इस वर्ष दोनों धाम मिलाकर 13,20,163 श्रद्धालु मां गंगा व यमुना के दर्शन कर लौट चुके हैं।

जखेड़ा में पाइप टूटने से पेयजल संकट

बागेश्वर, जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश आफत बनकर बरस रही है। भारी बारिश के कारण बीते रविवार को नगर की महत्वपूर्ण जखेड़ा पेयजल योजना मुख्य लाइन टूटने से क्षतिग्रस्त हो गई। योजना के ध्वस्त होने से नगर के कठायतबाड़ा वार्ड, ठाकुरद्वारा वार्ड और स्टेशन रोड क्षेत्र में पिछले पांच दिनों से पेयजल आपूर्ति पूरी तरह ठप है। आपूर्ति बंद होने से करीब ढाई हजार की आबादी के सामने पानी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

जखेड़ा पेयजल योजना की आपूर्ति बंद होने से प्रभावित क्षेत्रों में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। लोग अपनी दैनिक जरूरतों और खाना पकाने के लिए मीलों दूर स्थित पारंपरिक और प्राकृतिक जल स्रोतों से पानी ढोने को मजबूर हैं, जहां सुबह से ही लंबी लाइनें लग रही हैं। स्थानीय जनता में इस समस्या को लेकर विभाग के खिलाफ गहरा आक्रोश है।

हर साल की यही कहानी, आपदा में तरसता है पानी

जखेड़ा पेयजल योजना का मानसून सीजन में क्षतिग्रस्त होना अब हर साल की नियति बन चुका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब भी भारी बारिश होती है, तो इस योजना की मुख्य लाइन या तो भूस्खलन की चपेट में आकर मलबे में दब जाती है या फिर तेज बहाव के कारण बह जाती है।

भौगोलिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र से गुजरने वाली इस पाइपलाइन के सुदृढ़ीकरण के लिए आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। हर बार मानसून में लाइन टूटती है, विभाग अस्थायी मरम्मत कर पल्ला झाड़ लेता है और खामियाजा नगर की ढाई हजार जनता को हफ्तों तक प्यासा रहकर भुगतना पड़ता है। क्षेत्रवासियों ने अब इस समस्या के स्थाई समाधान की मांग उठाई है।

राज्य स्तरीय सुब्रतो कप में चमोली जिले का प्रतिनिधित्व करेगी यूपीएस की टीम

गोपेश्वर। जिला स्तरीय सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता में उत्तराखंड पब्लिक स्कूल (यूपीएस) गोपेश्वर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही टीम ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों की आठ टीमों ने अंडर–15 और अंडर–17 वर्ग में प्रतिभाग किया। यूपीएस गोपेश्वर के खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन तालमेल, अनुशासित खेल और दमदार प्रदर्शन का परिचय देते हुए विजेता बनने का गौरव हासिल किया। अब टीम देहरादून स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित राज्य स्तरीय सुब्रतो कप प्रतियोगिता में जनपद चमोली का प्रतिनिधित्व करेगी। विद्यालय प्रबंधक विनोद रावत ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए राज्य स्तर पर भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई है।

एवरेस्ट विजेता एनएसजी कमांडो का स्वागत

पोखरी (चमोली) दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट का सफलतापूर्वक आरोहण कर देश, सेना और उत्तराखंड का गौरव बढ़ाने वाले एनएसजी कमांडो राहुल नेगी का पोखरी में भव्य स्वागत किया गया। सेरा मालकोटी निवासी राहुल नेगी भारतीय सेना की 9 गढ़वाल राइफल्स में तैनात हैं और वर्तमान में एनएसजी कमांडो ने इसी साल 23 मई को एवरेस्ट की चढ़ाई को सफलतापूर्वक पूरा किया था।

राहुल नेगी बृहस्पतिवार को पोखरी पहुंचे यहां स्थानीय लोगों, व्यापारियों व जनप्रतिनिधियों ने उनका फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। इस मौके पर विजेता की माता मनोरमा देवी, पिता कुंवर सिंह, पत्नी प्रियंका नेगी, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र भंडारी, डॉ. मातबर सिंह रावत, जिला पंचायत सदस्य व व्यापार संघ अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा, ग्राम प्रधान राजे सिंह भंडारी, भाजपा नगर अध्यक्ष अमर सिंह रावत, सुनीता चमोला, शरद बुटोला, विशंबर मदवाल, रमेश बर्त्वाल, संतोष चौधरी आदि मौजूद रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

अपनी बायोपिक का पहला पोस्टर लॉन्च होने पर बोले गांगुली

‘यह अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे गिफ्ट’

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने बुधवार को अपने 54वें जन्मदिन पर अपनी बायोपिक, ‘दादाः द सौरव गांगुली स्टोरी’ के फर्स्ट-लुक पोस्टर के लॉन्च को ‘अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे गिफ्ट’ बताया। नेशनल अवॉर्ड विजेता एक्टर राजकुमार राव स्टारर यह फिल्म अगले साल 14 मई को थिएटर में रिलीज होगी। पोस्टर लॉन्च के बाद अपने पहले रिएक्शन में गांगुली ने कहा कि इस मौके ने उनके जन्मदिन को और भी खास बना दिया। उन्होंने कहा, ‘जन्मदिन हमेशा खास होते हैं और आज मेरी बायोपिक ‘दादा - द सौरव गांगुली स्टोरी’ का फर्स्ट लुक रिलीज होने से यह और भी यादगार बन गया है। यह सच में अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे गिफ्ट है।’ पूर्व कप्तान ने कहा कि फिल्म का यह पोस्टर उन्हें उनके क्रिकेट करियर के सबसे यादगार और अहम पलों में से एक की याद दिलाता है। उन्होंने राजकुमार राव पर भरोसा जताते हुए कहा कि अभिनेता ने उनके जीवन और संघर्ष को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ पर्दे पर उतारा है। उन्होंने कहा, ‘यह पोस्टर मुझे मेरे क्रिकेट सफर के एक बेहद खास पल में वापस ले जाता है। राजकुमार ने इस किरदार को पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ निभाया है। मुझे भरोसा है कि वह मेरी कहानी को दर्शकों तक बेहतरीन तरीके से पहुंचाएंगे। ‘

फिल्म के निर्माताओं को अपनी शुभकामनाएं देते हुए गांगुली ने उम्मीद जताई कि जब यह बायोपिक अगले साल सिनेमाघरों में आएगी, तो दर्शक बड़ी

संख्या में इसे देखने आएंगे। उन्होंने कहा, ‘मैं उन्हें और पूरी टीम को शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि फैंस 14 मई 2027 को बड़े पर्दे पर फिल्म का आनंद लेंगे। ‘

गांगुली के जन्मदिन के मौके पर जारी किए गए फिल्म के फर्स्ट-लुक पोस्टर में अभिनेता राजकुमार राव भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे यादगार पलों में से एक को दोबारा जीवंत करते नजर आते हैं। पोस्टर में वह लॉर्ड्स की बालकनी में शर्ट उतारकर खड़े हैं, ठीक उसी अंदाज में जैसे सौरव गांगुली ने 2002 नेटवेस्ट ट्रॉफी फाइनल में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद जश्न मनाया था। पोस्टर की पृष्ठभूमि में लहराता विशाल तिरंगा इस ऐतिहासिक पल को और भी भव्य बना रहा है।

चित्रा के. सोमन

कड़ी मेहनत से बनाई पहचान

कॉमनवेल्थ गेम्स में जीता सिल्वर मेडल

ग्रांड प्रिक्स में भी लहराया परचम

नई दिल्ली । कुछ खिलाड़ियों में टैलेंट कूट-कूटकर भरा होता है, तो कुछ खिलाड़ी कड़ी मेहनत के दम पर अपनी पहचान बनाते हैं। ऐसी ही खिलाड़ी रहीं चित्रा.के.सोमन, जिन्होंने अपनी मेहनत के दम पर 400 मीटर की दौड़ में देश का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन किया। चित्रा का जन्म 10 जुलाई, 1983 को केरल के कोट्टायम में हुआ। चित्रा को शुरुआत से ही दौड़ने का काफी शौक था। वह स्कूल स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं। जल्द ही उनकी काबिलियत को कोच ने पहचाना और चित्रा ने बतौर धावक करियर बनाने का फैसला कर लिया। साधारण परिवार में जन्मीं चित्रा ने अपनी लगन और कड़ी मेहनत के दम पर सफलता की सीढ़ियां चढ़ती चली गईं। साल 2004 में हुए एथेंस ओलंपिक में 4×400 मीटर रिले स्पर्धा में चित्रा ने हिस्सा लिया और वह सातवें स्थान पर रहीं। टीम स्पर्धा में उन्होंने मंजीत कौर, के.एम.बीनामोल और राजविंदर कौर के साथ मिलकर 4×400 मीटर रिले में नेशनल रिकॉर्ड बनाया। टीम की साथी खिलाड़ियों संग मिलकर उन्होंने यह रिले 3:26.89 मिनट में पूरी की। इस प्रदर्शन ने विश्व स्तर पर उनको पहचान दिलाने का काम किया। साल 2006 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में चित्रा का प्रदर्शन लाजवाब रहा और वह सिल्वर मेडल जीतने वाली रिले टीम का हिस्सा रहीं।

इसके बाद, साल 2007 में हुई एशियाई ग्रांड प्रिक्स में भी चित्रा का जलवा देखने को मिला। उन्होंने 400 मीटर की दौड़ में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। 400 मीटर की दौड़ को चित्रा ने 51.30 सेकंड में पूरा किया, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी रहा। साल 2007 में चित्रा को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भारतीय सरकार द्वारा ‘अर्जुन पुरस्कार’ से सम्मानित किया गया। चित्रा ने उस दौर में इस खेल में अपनी पहचान बनाई, जब काफी सीमित साधन हुआ करते थे। वह उन तमाम महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं, जो छोटे शहर से आकर अपने खेल के दम पर विश्व में पहचान बनाने की इच्छा रखती हैं।

आईसीसीटी-20 रैंकिंग

किशन शीर्ष पर बरकरार

● जैकब बेथेल ने लगाई लंबी छलांग

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा जारी टी20 के बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारतीय टीम के बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाजों ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। ईशान किशन टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में

पहले स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान तीसरे और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट चौथे स्थान पर हैं। श्रीलंका के पाथुम निसांका पांचवें स्थान पर हैं। भारत के तिलक वर्मा छठे, इंग्लैंड के जोस बटलर सातवें स्थान पर हैं। भारत के खिलाफ जारी टी20 सीरीज के दूसरे मैच में नाबाद 76 रनों की पारी खेलने वाले इंग्लैंड के बाएं हाथ के बल्लेबाज जैकब बेथेल को रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। बेथेल 7 स्थान ऊपर चढ़ते हुए आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिशेल मार्श नौवें, जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस दसवें स्थान पर हैं। टी20 गेंदबाजों की बात करें तो अफगानिस्तान के राशिद खान पहले, पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे, इंग्लैंड के आदिल रशीद 1 स्थान ऊपर चढ़ते हुए तीसरे, और ऑस्ट्रेलिया के एडम जांपा 1 स्थान ऊपर चढ़ते हुए चौथे स्थान पर हैं। भारत के वरुण चक्रवर्ती को 2 स्थान का घाटा हुआ है, वह पांचवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के नाथन एलिस और दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बोश क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर हैं। दोनों को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। जसप्रीत बुमराह को दो स्थान का घाटा हुआ है, वह आठवें स्थान पर हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम घोषित

शुम्बा और न्यूमैन न्यामहुरी को मौका

हरारे । बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली 3 टी20 मैचों की घरेलू सीरीज के लिए जिम्बाब्वे क्रिकेट ने बुधवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की । टीम की कमान सिकंदर रजा के हाथ में है । इस टीम में ज्यादातर वही खिलाड़ी हैं जो टी20 विश्व कप 2026 में जिम्बाब्वे को सुपर–8 तक पहुंचाने वाले कैंपेन का हिस्सा रहे थे । हरारे में चल रही वनडे सीरीज समाप्त होने के बाद 15, 17 और 19 जुलाई को बुलावायो में 3 टी20 मैच खेले जाने हैं । टीम में दो

बदलाव हुए हैं । युवा तेज गेंदबाज न्यूमैन न्यामहुरी और बल्लेबाज मिल्टन शुम्बा को शामिल किया गया है । न्यामहुरी ने टी20 फॉर्मेट में अभी तक डेब्यू नहीं किया है । शुम्बा ऑस्ट्रेलिया में 2022 टी20 विश्व कप के बाद पहली बार टी20 टीम में लौटे हैं । बल्लेबाज बेन कुरेन, जिन्हें इस साल की शुरुआत में ब्रेंडन टेलर की चोट के बाद टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया गया था, ने अपनी जगह बरकरार रखी है । ग्रेम क्रेमर बाएं हाथ में इंजरी की वजह से चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे ।

चयनकर्ता संयोजक डेविड मुटेंडेरा ने कहा कि टीम का चयन करते समय निरंतरता पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया गया था । उन्होंने कहा, ‘टी20 विश्व कप ने दिखाया कि यह ग्रुप क्या करने में काबिल है, इसलिए निरंतरता हमारे लिए एक जरूरी बात थी । हम सुपर आठ तक पहुंचने वाली टीम के कोर को एक साथ रखना चाहते थे, साथ ही उन खिलाड़ियों के लिए भी जगह बनाना चाहते थे जिन्होंने अपने प्रदर्शन से अपने लिए मौके बनाए हैं । यह सीरीज टीम को आगे बढ़ने का एक और मौका देती है क्योंकि हम आगे के बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की तैयारी कर रहे हैं ।‘

जिम्बाब्वे टीम

सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मडांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमानी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजराबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, न्यूमैन न्यामहुरी, मिल्टन शुम्बा।

लॉर्ड्स में महिलाओं का टेस्ट मैच एक शानदार मौका

इसका बेसब्री से इंतजार हैः भारतीय कोच मजूमदार

लंदन। भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच 10 जुलाई से लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इकलौता टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस खास मौके पर खुशी जाहिर करते हुए भारतीय हेड कोच अमोल मजूमदार ने बुधवार को कहा कि ‘होम ऑफ क्रिकेट’ में टेस्ट मैच खेलना किसी भी भारतीय क्रिकेटर का सबसे बड़ा सपना होता है। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में मजूमदार ने कहा, ‘यह सोचकर ही हैरानी होती है कि लॉर्ड्स में यह पहला टेस्ट मैच (विमेंस) है। इसके बावजूद, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं। मैं इस आयोजन से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। यह एक शानदार मौका है और हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। किसी भी भारतीय क्रिकेटर के लिए टेस्ट मैच खेलना ही एक सपना होता है, फिर लॉर्ड्स में खेलने की बात ही अलग है। मुझे यकीन है कि इस मुकाबले में जो भी खिलाड़ी सफेद जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेंगे, उन्हें लॉर्ड्स में टेस्ट मैच खेलने पर गर्व होगा।’ उन्होंने कहा, ‘हमने ड्रेसिंग रूम में हमेशा यही बात कही है। पारंपरिक रूप से हमने टेस्ट मुकाबलों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले ही हर कोई लॉर्ड्स में होने वाले टेस्ट मैच के बारे में बात कर रहा था। अब वह समय आ गया है, इसलिए खिलाड़ी निश्चित रूप से इसे लेकर उत्साहित होंगे। ‘

भारत ने विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन किया। लीग स्टेज से बाहर होने के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड के विरुद्ध इस टेस्ट मैच में उतरेगी। मजूमदार ने स्वीकार किया है कि हालांकि प्रदर्शन ‘मिला-जुला’

रहा, लेकिन टीम ने सफलतापूर्वक अपना ध्यान सबसे लंबे फॉर्मेट पर लगा लिया है।

उन्होंने कहा, ‘सच कहूं तो, यह मिला-जुला रहा है। हमें हार से उबरना था। हम निश्चित रूप से निराश थे। हमारा वर्ल्ड कप बहुत अच्छा नहीं रहा, लेकिन इसके बावजूद, टीम का जज्बा सामने आना जरूरी था और हमें उस दौर से बाहर निकलकर जल्द ही टेस्ट मैच की तैयारी में जुटना था। मुझे लगता है कि हम ऐसा करने में कामयाब रहे हैं। हमने वर्म्सले क्रिकेट क्लब में तैयारी के पांच बहुत अच्छे दिन बिताए। यह एक खूबसूरत मैदान है और तैयारी के लिए एकदम सही जगह है और फिर यहां लॉर्ड्स में भी। हमारी तैयारी अच्छी रही है। ‘

टैमी ब्यूमोंट भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लेंगी संन्यास

लंदन । इंग्लैंड की अनुभवी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी । टैमी भारत के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले जाने वाले मुकाबले के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहेंगी । टैमी अपने 17 साल के शानदार करियर का अंत इस मशहूर मैदान पर टेस्ट मैच के साथ करेंगी, जिसकी शुरुआत 10 जुलाई से होगी । नवंबर 2009 में अपने अंतरराष्ट्रीय सफर की शुरुआत करने वालीं टैमी ने इंग्लैंड के लिए सभी फॉर्मेट में कुल 260 मैच खेले, जिसमें 7,325 रन बनाए । टैमी वनडे फॉर्मेट में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक 12 शतक लगाने वाली महिला खिलाड़ी हैं, जो साल 2017 में घरेलू मैदान पर इंग्लैंड की ऐतिहासिक महिला वनडे वर्ल्ड कप जीत की मुख्य सूत्रधार थीं । उस टूर्नामेंट में टैमी ने सर्वाधिक 410 रन बनाए, जिसके लिए उन्हें ‘प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट’ चुना गया । इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की तरफ से जारी एक बयान में टैमी ने कहा, ‘करीब 17 साल तक इंग्लैंड के लिए खेलना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान रहा है । जब छोटी उम्र में क्रिकेट खेलने का शौक जगा, तब मुझे शायद ही पता था कि इंग्लैंड के

लिए क्रिकेट खेलना भी एक विकल्प हो सकता है । यह सोचकर मुझे बहुत खुशी होती है कि कितनी लड़कियां और लड़के इससे प्रेरित हुए हैं । हम हमेशा अगली पीढ़ी के लिए इस विरासत को आगे बढ़ाना चाहते थे, और अब मेरे लिए यह मौका आ गया है कि मैं इंग्लैंड के खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को यह जिम्मेदारी सौंप दूं । लॉर्ड्स में होने वाला यह टेस्ट मैच, जो लॉर्ड्स में महिलाओं का पहला टेस्ट है, मेरे करियर को अलविदा कहने का सबसे सही मौका है । मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरा करियर इतना शानदार होगा ।‘ 35 वर्षीय टैमी इंग्लैंड की उन दो महिला खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने खेल के तीनों फॉर्मेट में शतक लगाया है । टैमी टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाली पहली इंग्लिश महिला खिलाड़ी हैं, जिन्होंने साल 2023 में विमेंस एशेज के दौरान ट्रेंट ब्रिज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 208 रन बनाए थे । टैमी ब्यूमोंट ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि वह घरेलू क्रिकेट में ‘द ब्लेज’ और ‘द हंड्रेड’ में ‘बर्मिंघम फीनिक्स’ के लिए खेलना जारी रखेंगी । उन्होंने कहा, ‘मैं घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखूंगी, लेकिन अपने शानदार सपोर्ट के लिए सभी फैंस का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं ।

फीफा विश्व कपः मोरक्को को झटका

फॉरवर्ड सैबारी फ्रांस के खिलाफ क्वार्टर-फाइनल से हुए बाहर

नई दिल्ली । फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर-फाइनल में फ्रांस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ मुकाबले से पहले मोरक्को को बड़ा झटका लगा है। उनके मुख्य फॉरवर्ड इस्माइल सैबारी चोट के कारण इस अहम मैच से बाहर हो गए हैं। मोरक्को के हेड कोच मोहम्मद ओआबी ने गुरुवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैबारी के बाहर होने की पुष्टि की। ओआबी के अनुसार, कनाडा के खिलाफ राउंड ऑफ 16 की जीत के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट लगने के बाद यह फॉरवर्ड समय पर ठीक नहीं हो सका। हालांकि, कोच को उम्मीद है कि अगर उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंचती है, तो 25 वर्षीय खिलाड़ी फिट हो जाएगा। मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ओआबी ने कहा, ‘वह तैयार नहीं हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह उनके लिए टूर्नामेंट का अंत नहीं है। ‘

सैबारी मौजूदा टूर्नामेंट में अफ्रीकी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने ग्रुप स्टेज के तीनों मैचों में गोल किए और राउंड ऑफ 32 में नीदरलैंड के खिलाफ निर्णायक

शूटआउट में पेनल्टी को गोल में बदला। उनकी अनुपस्थिति के कारण मोरक्को को 2022 वर्ल्ड कप की उपविजेता टीम के खिलाफ अधिक रक्षात्मक रणनीति अपनानी पड़ सकती है।

फीफा ने फ्रांस और मोरक्को के बीच क्वार्टर-फाइनल मुकाबले के लिए पूरी तरह से अर्जेंटीना के अधिकारियों की टीम नियुक्त करके एक बड़ी बहस छेड़ दी है। 2026 टूर्नामेंट में यह पहली बार है जब किसी मैच का संचालन पूरी तरह से एक ही देश के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। हालांकि, मोरक्को के कोच ने अधिकारियों के प्रभाव को कम करके आंका है।

मैच से पहले अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में रेफरी के बारे में उन्होंने कहा, ‘हम एक बहुत अनुभवी रेफरी की बात कर रहे हैं। हम यही चाहते हैं। हम इस तरह के मैचों के लिए अनुभवी रेफरी चाहते हैं। इसलिए हम बहुत शांत हैं। नीदरलैंड्स का सामना करने से पहले हमारे मैच में एक डच रेफरी था और उसने बहुत अच्छा काम किया था।